प्रिलिम्स रिफ्रेशर प्रोग्राम 2020 : दिवस 7 (टेस्ट 2)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. रोज़वुड (शीशम) वन्यजीवों और वनस्पतियों की संकटग्रस्त प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय (CITES) के परिशिष्ट-I में शामिल है।
    2. भारतीय शीशम भारत की मूल प्रजाति है और यह IUCN की लाल सूची में 'सुभेद्य' श्रेणी में है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- वर्तमान में रोज़वुड (शीशम) CITES के परिशिष्ट-II में शामिल है। भारत ने वन्यजीवों और वनस्पतियों की संकटग्रस्त प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय (CITES) के परिशिष्ट-II से शीशम (डलबर्जिया सिस्सू) को हटाने का प्रस्ताव दिया है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- भारतीय शीशम (डलबर्जिया लैटिफोलिया/D.Latifolia) भारत की मूल प्रजाति है और यह अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की लाल सूची के तहत "सुभेद्य" श्रेणी में है। **अतः कथन 2 सही है।**
- **यह** प्रजाति बहुत तेज़ी से बढ़ती है और इसमें अपनी मूल सीमा के बाहर की प्रकृति में भी आसानी से घुलने-मिलने की क्षमता है, इसलिये इसे दुनिया के कुछ हिस्सों में आक्रामक प्रजाति के रूप में जाना जाता है।

2. निम्नलिखित में से कौन विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के एमपॉवर नीति का सर्वोत्तम वर्णन करता है:

a. इसका उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) के प्रोत्साहन द्वारा महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना है।

b. यह छः लागत-प्रभावी उपायों का एक समूह है जो राष्ट्रों की तंबाकू की मांग को कम करने में सहायता करता है।

c. यह स्वास्थ्य के लिये स्व-देखभाल हस्तक्षेप पर दिशा-निर्देशों का एक समुच्चय है।

d. यह वर्ष 2023 तक औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस वसा को खत्म करने के लिये एक नीति है।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने तंबाकू नियंत्रण पर फ्रेमवर्क कन्वेंशन (FCTC) के अंतर्गत वर्ष 2008 में एमपॉवर (MPOWER) उपायों की शुरुआत की।
    - WHO-FCTC, विश्व स्वास्थ्य संगठन के तत्त्वावधान में पहली अंतर्राष्ट्रीय संधि है।
    - इसे विश्व स्वास्थ्य सभा द्वारा 21 मई, 2003 को अपनाया गया और 27 फरवरी, 2005 से लागू हुआ।
    - यह कन्वेंशन सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है जो अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य सहयोग हेतु नवीन विधिक आयाम प्रदान करता है।
- एमपॉवर छः लागत प्रभावी और उच्च प्रभाव उपायों का एक समुच्चय है जो देशों की तंबाकू की मांग को कम करने में सहायता करता है। **अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।**
- इन उपायों में शामिल हैं:
    - तंबाकू के उपयोग और रोकथाम नीतियों की निगरानी (Monitoring) करना।
    - तंबाकू के धुएँ से लोगों की रक्षा करना (Protecting)।
    - तंबाकू सेवन छोड़ने में सहायता करना (Offering Help)।

- तंबाकू के खतरों के बारे में चेतावनी देना (Warning)।
  - तंबाकू के विज्ञापन, प्रचार और आर्थिक संरक्षण पर प्रतिबंध लागू करना (Enforcing Bans)।
  - तंबाकू पर कर बढ़ाना (Raising Taxes)।
- MPOWER, तंबाकू के सेवन से होने वाली महामारी के प्रसार संबंधी सूचना तथा इसका मुकाबले हेतु विशिष्ट कार्यों से संबंधित सुझावों का एकमात्र स्रोत है।

3. क्रिस्पर (CRISPR) तकनीक के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह जीनोम एडिटिंग में प्रयोग किया जाने वाला एक उपकरण है।
2. कैस9 (Cas9) प्रोटीन एक एंजाइम है जो DNA को काटने के लिये आणविक कैंची के रूप में कार्य करता है।
3. इस तकनीक का उपयोग केवल फसलों में जीन एडिटिंग के लिये किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- क्रिस्पर तकनीक जीनोम एडिटिंग के लिये एक सरल किंतु शक्तिशाली उपकरण है। यह शोधकर्त्ताओं को DNA अनुक्रमों को आसानी से बदलने और जीन प्रकार्यों को रूपांतरित करने में सक्षम बनाता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- Cas9 प्रोटीन एक एंजाइम है जो आणविक कैंची की तरह काम करता है जो DNA स्ट्रैंड को काटने में सक्षम है। **अतः कथन 2 सही है।**
- CRISPR का उपयोग वंशानुगत नेत्र विकार जैसे अंधापन, के इलाज के लिये किया जाता है। इसके संभावित अनुप्रयोगों में आनुवंशिक बीमारियों का इलाज करना, मनुष्यों में बीमारियों की रोकथाम और उनका उपचार करना तथा फसलों में सुधार आदि शामिल हैं। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. एक्यूट (तीव्र) इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (AES) लैक्टोबैसिलस जीवाणु के कारण होता है।
2. तेज़ बुखार और मस्तिष्क में सूजन AES रोग के लक्षण हैं।
3. छोटे बच्चों में AES के कारण कम रक्त शर्करा मृत्यु का एक प्रमुख कारण है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- एक्यूट (तीव्र) इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (AES) एक व्यापक शब्द है जिसमें कई संक्रमण शामिल हैं और यह छोटे बच्चों को प्रभावित करता है। यह सिंड्रोम विषाणु (वायरस), जीवाणु (बैक्टीरिया) या कवक के कारण हो सकता है। भारत में इसका प्रमुख कारण जापानी इंसेफेलाइटिस नामक वायरस है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम मच्छरों द्वारा संचारित मस्तिष्क शोथ (इंसेफेलाइटिस) की एक गंभीर स्थिति है तथा इसकी मुख्य विशेषता तेज़ बुखार और मस्तिष्क में सूजन आना है। **अतः कथन 2 सही है।**
- AES के रोगियों में हाइपोग्लाइसीमिया अर्थात् रक्त में ग्लूकोज़ की कमी आमतौर पर देखा गया लक्षण है और यह वर्षों से शोध का विषय रहा है। छोटे बच्चों में कम रक्त शर्करा के साथ बुखार उनकी मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है। **अतः कथन 3 सही है।**

5. रक्ताभ-ग्रीवा युक्त हॉर्नबिल (Rufous-Necked Hornbill) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह भारत के पूर्वी भागों में पाया जाता है।
2. IUCN की लाल सूची में इसे संकटग्रस्त प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारत में रक्ताभ-ग्रीवा युक्त हॉर्नबिल की प्रजातियाँ उत्तरी पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर और मिज़ोरम राज्यों में पाई जाती हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- रक्ताभ-ग्रीवा युक्त हॉर्नबिल को CITES की परिशिष्ट-I और II में सूचीबद्ध किया गया है। यह एक सुभेद्य (**Vulnerable**) प्रजाति है और भारत, चीन, थाईलैंड तथा भूटान में कई संरक्षित क्षेत्रों में पाई जाती है। इसे IUCN की लाल सूची में 'सुभेद्य' श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

6. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	स्थानांतरी कृषि	**राज्य**
1.	झूमिंग	आंध्र प्रदेश
2.	पोडू	उत्तर-पूर्व भारत
3.	कुरुवा	झारखंड
4.	कोमान	ओडिशा

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 1 और 4

c. केवल 3 और 4

d. केवल 1,2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- स्थानांतरी कृषि एक आदिम जीवन-निर्वाह कृषि है जो भूमि के छोटे भाग पर आदिम उपकरणों से खुदाई जैसे- कुदाल और छड़ों और परिवार/सामुदायिक श्रम की सहायता से की जाती है। इस प्रकार की कृषि मानसून, मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता और फसल उगाने के लिये अन्य पर्यावरणीय परिस्थितियों की उपयुक्तता पर निर्भर करती है।
- इन प्रथाओं को विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है:
  - असम, मेघालय, मिज़ोरम और नगालैंड जैसे उत्तर-पूर्वी राज्यों में झूम कृषि।
  - मणिपुर में पामलू।
  - छत्तीसगढ़ के बस्तर ज़िले तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में दीपा।
  - मध्य प्रदेश में 'बेवर' या 'दहिया'।
  - **आंध्र प्रदेश में 'पोडू' या 'पेंडा'**
  - ओडिशा में ' पामाडाबी' या 'कोमान' या बरीगाँ।
  - पश्चिमी घाट में 'कुमारी'
  - दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में वालरे या वाल्टरे
  - हिमालयन क्षेत्र में 'खिल'
  - **झारखंड में 'कुरुवा'**

- **अतः विकल्प (c) सुमेलित है।**

7. बोंडा जनजाति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. बोंडा जनजाति के लोग केवल ओडिशा के मलकानगिरि ज़िले में रहते हैं।
   2. बोंडा जनजातियों को विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTGs) के रूप में मान्यता प्राप्त है।
   3. ये समूह सतत् स्थानांतरण कृषि करने के लिये जाने जाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- बोंडा जनजाति का अधिवास ओडिशा, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश राज्यों के संधि-स्थल के पास दक्षिण-पश्चिम ओडिशा के मलकानगिरि ज़िले के विभिन्न पहाड़ी क्षेत्रों में है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- बोंडा जनजातियाँ देश के 75 वर्गीकृत विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTGs) में से एक हैं। बिरहोर, बोंडो, दिदाई, डोंगरिया-कोंध, जुआंग आदि ओडिशा के अन्य विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह हैं। **अतः कथन 2 सही है।**
- बोंडा जनजाति में 'डांगर चास' नामक स्थानांतरी कृषि का एक अद्वितीय रूप प्रचलन में है, जो जलवायु या वनों को हानि पहुँचाए बिना दुनिया भर में इन देशज समुदायों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करती है। **अतः कथन 3 सही है।**

8. 'साहेल क्षेत्र' के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   1. यह दक्षिण में उष्णकटिबंधीय जीवोम और उत्तर में रेगिस्तान के बीच का संक्रमण क्षेत्र है।
   2. यह पूर्व में लाल सागर से पश्चिम में अटलांटिक महासागर तक विस्तृत है।
   3. मरुस्थलीकरण से निपटने के लिये इस क्षेत्र में ग्रेट ग्रीन वॉल पहल शुरू की गई थी।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- अफ्रीका का साहेल क्षेत्र 3,860 किलोमीटर की चाप जैसी भूमि है जो सहारा रेगिस्तान के दक्षिण में स्थित है और अफ्रीकी महाद्वीप में पूर्व से पश्चिम तक फैली हुई है।
- साहेल क्षेत्र बंजर, रेतीली और चट्टानी भूमि युक्त एक अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र है जो दक्षिण में महाद्वीप के उपजाऊ उष्णकटिबंधीय क्षेत्र और उत्तर में रेगिस्तान के बीच भौतिक और सांस्कृतिक संक्रमण क्षेत्र है। **अतः कथन 1 सही है।**
- साहेल क्षेत्र का भौगोलिक विस्तार अटलांटिक महासागर के तट पर सेनेगल से मॉरिटानिया, माली, बुर्किना फासो, नाइजर, नाइजीरिया, चाड और सूडान के कुछ हिस्सों से होते हुए लाल सागर के तट पर इरीट्रिया तक है। **अतः कथन 2 सही है।**
- सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से साहेल मध्य-पूर्व और उप-सहारा अफ्रीका के बीच एक तटरेखा है। इसका आशय यह है कि यह उत्तर में अरबी, इस्लामी और खानाबदोश संस्कृतियों और दक्षिण में स्वदेशी एवं पारंपरिक संस्कृतियों के बीच का अंतःक्रिया क्षेत्र है।
- साहेल क्षेत्र में मरुस्थलीकरण रोकथाम के लिये वर्ष 2007 में अफ्रीकी संघ द्वारा ग्रेट ग्रीन वॉल परियोजना का शुभारंभ किया गया था। इसका उद्देश्य अफ्रीका की निम्नीकृत भूमि का पुनःस्थापन करना तथा विश्व के सर्वाधिक गरीब क्षेत्र, साहेल (Sahel) में निवास करने वाले लोगों

के जीवनस्तर में सुधार लाना है। **अतः कथन 3 सही है।**

9. क्षतिपूरक वनीकरण कोष के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह भारत के संचित निधि के तहत प्रबंधित एक राष्ट्रीय कोष है।
2. इसका उपयोग वन प्रबंधन और संरक्षित क्षेत्रों से गाँवों के पुनर्स्थापन (Relocation) के लिये किया जा सकता है।
3. निधियों को केंद्र और राज्य के बीच समान आधार पर साझा किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- क्षतिपूरक वनीकरण (CAF) अधिनियम के अनुसार, केंद्र सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा भारत के लोक लेखा निधि के तहत "राष्ट्रीय क्षतिपूर्ति वनीकरण कोष" नामक एक विशेष कोष की स्थापना कर सकती है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- इस राशि का उपयोग **जलग्रहण क्षेत्र का उपचार, वन्यजीव प्रबंधन, सहायता प्राप्त प्राकृतिक संपोषण, वनों में लगने वाली आग की रोकथाम और उस पर नियंत्रण पाने की कार्रवाइयों,** वन प्रबंधन और **वनों में मृदा एवं आर्द्रता संरक्षण कार्य, वन्यजीव पर्यावास में सुधार, जैव विविधता एवं जैव संसाधनों का प्रबंधन, वानिकी में अनुसंधान,** और **संरक्षित क्षेत्रों से गाँवों को नई जगह बसाने के लिये,** मानव-वन्यजीव संघर्ष का समाधान, प्रशिक्षण एवं जागरूकता प्रसार आदि गतिविधियों के लिये किया जा सकता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- क्षतिपूरक वनीकरण (CAF) अधिनियम को क्षतिपूरक वनीकरण के लिये एकत्रित धन का प्रबंधन करने के लिये अधिनियमित किया गया था। ध्यातव्य है कि इस अधिनियम के पहले इस कोष का प्रबंधन तदर्थ क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (CAMPA) द्वारा किया जाता था।
    - नियम के अनुसार, CAF का 90% भाग राज्यों को आवंटित किया जाता है जबकि कोष का 10% केंद्र सरकार अपने पास रखती है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. कार्बन प्रच्छादन CO_2 को वायुमंडल से निकालने और उसके भंडारण की प्रक्रिया है।
2. मानवीय गतिविधियाँ प्राकृतिक सिंक की CO_2 को संगृहीत करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है।
3. कार्बन प्रच्छादन से समुद्र का अम्लीकरण होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) सर्वाधिक उत्पादित ग्रीनहाउस गैस है। कार्बन प्रच्छादन वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड को

अधिग्रहण और संगृहीत करने की प्रक्रिया है। यह वैश्विक जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिये वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने की एक विधि है। **अतः कथन 1 सही है।**

- मानवीय गतिविधियाँ वातावरण में CO_2 की मात्रा में वृद्धि कर प्राकृतिक सिंक जैसे- वनों की CO_2 अवशोषित एवं संगृहीत करने की क्षमता को प्रभावित कर वायुमंडल से CO_2 हटाने और उनकी मृदा की कार्बन संग्रहण क्षमता को प्रभावित करके कार्बन चक्र को प्रभावित कर रही हैं। ध्यातव्य है कि CO_2 का उत्सर्जन विभिन्न प्राकृतिक स्रोतों से होता है किंतु मानव-संबंधित उत्सर्जन औद्योगिक क्रांति के बाद से वातावरण में हुई CO_2 की वृद्धि के लिये प्रमुख रूप से ज़िम्मेदार है। **अतः कथन 2 सही है।**
- कार्बन सिंक, प्राकृतिक (महासागर और वन) और कृत्रिम (कुछ प्रौद्योगिकियाँ और रसायन) दो प्रकार के होते हैं जो वायुमंडल से CO_2 को अवशोषित कर वायु में इसकी सांद्रता को कम करते हैं।
- प्राकृतिक कार्बन सिंक के साथ समस्या यह है कि उनकी एक अधिकतम सीमा होती है और इससे आगे जब कार्बन के अवशोषण में वृद्धि होती है तो समुद्र की अम्लीयता बढ़ जाती है। इस अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड के अवशोषण के कारण पानी के pH में कमी होती है।
- महासागरों का अम्लीकरण प्रवाल, शैवाल और मोलस्क जैसी प्रजातियों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है, जिससे ये जीव-जंतु कमज़ोर तथा बीमार हो जाते हैं और इसके कारण इनकी मृत्यु हो जाती है। **अतः कथन 3 सही है।**

11. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प 'इट्रोजेनिक' शब्द का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

a. यह एक जीन है जिससे कैंसर होने की संभावना होती है।

b. यह नाभिकीय चिकित्सा के अनुप्रयोग पर आधारित एक उपचार विधि है।

c. यह अत्यधिक ताप और दाब के कारण पृथ्वी के भू-पर्पटी के नीचे चट्टान निर्माण की एक प्रक्रिया है।

d. यह ऐसी स्थिति है जिसमें उपचार से लाभ की तुलना में नुकसान अधिक होता है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- इट्रोजेनिक (Iatrogenics) वह स्थिति है जब किसी उपचार के कारण लाभ से अधिक नुकसान हो। चूँकि ग्रीक में iatros शब्द का अर्थ होता है "उपचार जनित" या "चिकित्सक जनित"। इट्रोजेनेसिस (Iatrogenesis) स्वास्थ्य पेशेवरों के रूप में काम करने वाले अथवा स्वास्थ्य के लिये लाभकारी उत्पादों या सेवाओं को बढ़ावा देने वाले एक या एक से अधिक व्यक्तियों की गतिविधियों के कारण किसी व्यक्ति पर पड़ने वाला वह प्रभाव है जो उसके स्वास्थ्य संबंधी उद्देश्य को पूरा नहीं करता है। **अतः विकल्प (d) सही है।**

12. BRIP प्रोजेक्ट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह वैश्विक ऑनलाइन पायरेसी के शोधन की संभावना प्रस्तावित करता है।
2. यह विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार संगठन की एक परियोजना है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या:

- BRIP डेटाबेस परियोजना विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार संगठन (WIPO) की परियोजना है। यह परियोजना कॉपीराइट का उल्लंघन करने वाली वेबसाइटों की एक वृहद् ब्लैक लिस्ट के संयोजन से वैश्विक स्तर पर ऑनलाइन पायरेसी को कम करने की संभावना प्रदान करती है।

ध्यातव्य है कि WIPO एक संयुक्त राष्ट्र निकाय है।

- यह परियोजना कॉपीराइट उल्लंघन के लिये "फॉलो-द-मनी" दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसका उद्देश्य अवैध वित्तीय ऑपरेटरों के लिये धन के प्रवाह को रोकना है। **अतः कथन 1 और 2 सही हैं।**

13. मैगेलैनिक बादल कहाँ से दिखाई देते हैं?

a. उत्तरी गोलार्द्ध

b. दक्षिणी गोलार्द्ध

c. उत्तरी और दक्षिणी गोलार्द्ध दोनों

d. न तो उत्तरी गोलार्द्ध और न ही दक्षिणी गोलार्द्ध

उत्तर : (b)

व्याख्या:

- मैगेलैनिक बादल दो अनियमित आकाशगंगाओं, वृहद् मैगेलैनिक बादल (Large Magellanic Cloud-LMC) और लघु मैगलैनिक बादल (Small Magellanic Cloud- SMC) से मिलकर बने होते हैं जो प्रत्येक 1,500 मिलियन वर्षों में एक बार मिल्की वे आकाशगंगा की और प्रत्येक 900 मिलियन वर्षों में एक-दूसरे की परिक्रमा करते हैं। हाल ही में सैजिटेरियस और कैनिस मेजर ड्वार्फ गैलेक्सी की खोज के पहले तक ये 200,000 प्रकाश-वर्ष की दूरी पर स्थित मिल्की वे के सबसे निकट ज्ञात आकाशगंगा थी।
- ध्यातव्य है कि फर्डिनेंड मैगलन और चालक दल ने दक्षिणी गोलार्ध में नग्न आँखों से दिखाई देने वाली दो आकाशगंगाओं का अवलोकन किया था। इसलिये तब से इन आकाशगंगाओं को मैगेलैनिक बादल (Magellanic Clouds) के रूप में जाना जाता है। **अतः विकल्प (b) सही है।**

14. संपीडित बायोगैस (CBG) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. CBG में 90% से अधिक मीथेन गैस होती है।
2. ऊष्मीय मान एवं अन्य गुणधर्मों के संदर्भ में CBG, संपीडित प्राकृतिक गैस (CNG) के समान हैं इसलिये इसका उपयोग एक हरित नवीकरणीय स्वचालित ईंधन के रूप में किया जा सकता है।
3. गोबर-धन योजना के अंतर्गत पशुओं के गोबर और खेतों के ठोस अपशिष्ट पदार्थों को कम्पोस्ट, बायोगैस, बायो-CNG में परिवर्तित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2

b. केवल 2

c. केवल 3

d. 1, 2 और 3

उत्तर : (d)

व्याख्या:

भारत सरकार ने जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति, 2018 जारी की है जो CBG सहित अन्य उन्नत जैव ईंधनों के प्रोत्साहन पर ज़ोर देती है।

- **बायोगैस को हाइड्रोजन सल्फाइड (H_2S), कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2), जल वाष्प को हटाने के लिये शुद्ध किया जाता है और** संपीड़ित बायोगैस (CBG) में परिवर्तित किया जाता है, जिसमें 90% से अधिक मीथेन (CH_4) होती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- CBG का परिवहन सिलेंडर या पाइपलाइन के माध्यम से खुदरा विक्रय केंद्रों तक किया जा सकता है।
- ऊष्मीय मान एवं अन्य गुणधर्मों के मामले में CBG, CNG के समान है, इसलिये इसका उपयोग एक हरित नवीकरणीय स्वचालित ईंधन के रूप में किया जा सकता है। देश में बायोमास उपलब्धता की प्रचुरता को देखते हुए यह ऑटोमोटिव, औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों में CNG की जगह ले सकता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- भारत सरकार द्वारा पशुओं के गोबर और खेतों के ठोस अपशिष्ट को बायो-CNG अर्थात् CBG और खाद में परिवर्तित करने के लिये गैल्वनाइज़िंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज़ धन

(GOBAR-DHAN) योजना शुरू की गई थी। **अतः कथन 3 सही है।**

- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बायो-सीएनजी के लिये केंद्रीय वित्तीय सहायता (CFA) अधिसूचित की है।
- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने संपीडित बायोगैस को एक वैकल्पिक हरित परिवहन ईंधन के रूप में बढ़ावा देने के लिये **किफायती परिवहन हेतु सतत् विकल्प** (**Sustainable Alternative Towards Affordable Transportation**-SATAT) नामक पहल शुरू की है।

15 निम्नलिखित में से कौन सी जैविक खेती की विशेषताएँ हैं?

1. कार्बनिक पदार्थों के स्तर को बनाए रखते हुए मृदा की जैविक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर मिट्टी की दीर्घकालिक उर्वरता का संरक्षण।
2. उर्वरकों का उपयोग करते हुए फसलों को प्रत्यक्ष पोषक तत्त्व प्रदान करना।
3. फलीदार पौधों और जैविक नाइट्रोजन स्थिरीकरण के माध्यम से नाइट्रोजन में आत्मनिर्भरता।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- जैविक खेती एक ऐसी विधि है जिसमें मुख्य रूप से जैविक अपशिष्ट, अन्य जैविक सामग्रियों तथा जैव उर्वरकों के उपयोग से भूमि पर खेती की जाती है और फसलों को इस प्रकार से उगाया जाता है जिससे मृदा की उर्वरता एवं स्वास्थ्य को बनाए रखा जा सके।

जैविक खेती के लक्षण

1. इस विधि में मिट्टी के जैविक स्तर को बनाए रखते हुए मिट्टी की दीर्घकालिक उर्वरता की रक्षा करना, मिट्टी की जैविक गतिविधि को प्रोत्साहित करना और सावधानीपूर्वक यांत्रिक हस्तक्षेप करना शामिल है। **अतः कथन 1 सही है।**
2. मिट्टी में सूक्ष्म जीवों की क्रिया द्वारा पौधे को उपलब्ध कराए गए अघुलनशील पोषक स्रोतों का उपयोग करके अप्रत्यक्ष रूप से फसल पोषक तत्त्व प्रदान करना। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
3. फलीदार पौधों और जैविक नाइट्रोजन स्थिरीकरण के साथ-साथ फसल के अवशेषों और पशुओं की खाद के प्रभावी पुनर्चक्रण के माध्यम से नाइट्रोजन में आत्मनिर्भरता। **अतः कथन 3 सही है।**
4. खरपतवार, रोग और कीट नियंत्रण मुख्य रूप से फसल चक्रण, प्राकृतिक कीटभक्षी विविधता, जैविक खाद, प्रतिरोधी फसल किस्मों और सीमित अथवा न्यूनतम तापीय, जैविक और रासायनिक हस्तक्षेप इत्यादि माध्यमों से किया जाता है।

16. जल उपचार संयंत्र ऐसी तकनीक का उपयोग करते हैं जो रंग, गंध और स्वाद के संदर्भ में रासायनिक एवं जैविक रूप से सुरक्षित तथा आकर्षक दोनों हैं। जल शोधन और उपचार के लिये निम्नलिखित में से कौन-सी तकनीकें प्रचलित हैं?

1. संधारित्रीय वि-आयनीकरण (CDI)
2. ओज़ोनीकरण
3. टेराफिल
4. निस्यंदन

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2 और 4
c. केवल 1 और 4
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- संधारित्रीय वि-आयनीकरण (**Capacitive Deionization**-CDI), एक तकनीक है जिसमें एक विभाजक चैनल होता है जिसके दोनों तरफ

छिद्रयुक्त इलेक्ट्रोड होते हैं जो जल से आयनों को हटाते हैं।

- ओज़ोनीकरण (**Ozonation**) तकनीक रासायनिक जल के उपचार के लिये पानी में ओज़ोन के प्रवेशन (Ozone Infusion) पर आधारित है।
- पराबैंगनी प्रौद्योगिकी में पराबैंगनी प्रकाश का उपयोग पानी के सूक्ष्मजीवों को मारने के लिये किया जाता है।
- व्युत्क्रम परासरण (Reverse Osmosis-RO) तकनीक में एक अर्द्धपारगम्य झिल्ली के माध्यम से बड़ी संख्या में संदूषकों को पानी से हटाया जाता है।
- TERAFIL एक जली हुई लाल मिट्टी का छिद्रयुक्त माध्यम है जिसका प्रयोग अशुद्ध जल के निस्यंदन और साफ पीने के पानी के रूप में उपचारित करने के लिये किया जाता है। ध्यातव्य है कि यह तकनीक वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (CSIR) द्वारा विकसित की गई है।
- OS-कम्युनिटी स्केल आर्सेनिक फ़िल्टर एक जैविक आर्सेनिक फिल्टर है जो IIT खड़गपुर द्वारा विकसित किया गया है।
- निस्यंदन विधियों में तीव्र/मंद रेत फिल्टर (Sand Filter) और सौर जल शोधन प्रणालियाँ शामिल होते हैं जो जल से जंग, गाद, धूल और अन्य कणों को हटाते हैं। **अतः विकल्प (d) सही है।**

17. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत की पोषण चुनौतियों पर राष्ट्रीय परिषद की अध्यक्षता नीति आयोग के उपाध्यक्ष द्वारा की जाती है।
2. पोषण अभियान का नोडल मंत्रालय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय है।
3. पोषण अभियान का कार्यान्वयन विश्व बैंक की सहायता से किया जा रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 3
c. केवल 3
d. केवल 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारत सरकार द्वारा 8 मार्च, 2018 को पोषण अभियान (राष्ट्रीय पोषण मिशन) शुरू किया गया था।
- प्रौद्योगिकी का उपयोग कर कार्यक्रम में लक्षित दृष्टिकोण और मेल-जोल का प्रयास किया गया है ताकि स्टंटिंग के स्तर को घटाने, कुपोषण, एनीमिया तथा जन्म के समय बच्चों के कम वज़न की समस्या का समाधान किया जा सके और किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं पर ध्यान केंद्रित करके कुपोषण की समस्या का समग्र रूप से समाधान निकाला जा सके।
- भारत की पोषण चुनौतियों पर राष्ट्रीय परिषद (NCN) की स्थापना पोषण अभियान के तहत की गई थी। इस परिषद को राष्ट्रीय पोषण परिषद (NCN) के रूप में भी जाना जाता है।
- इस परिषद की अध्यक्षता नीति आयोग के उपाध्यक्ष द्वारा की जाती हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
    - विश्व बैंक से प्राप्त 200 मिलियन डॉलर ऋण का उपयोग राष्ट्रीय पोषण मिशन को लागू करने के लिये किया जाएगा। **अतः कथन 3 सही है।**
- पोषण अभियान का कार्यान्वयन महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

18. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) क्षेत्र के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह क्षेत्र समावेशी विकास को प्रोत्साहित करता है।
2. इसमें भारत के वैश्विक निर्यात को बढ़ावा देने की क्षमता है।
3. अपनी पूंजी गहन प्रकृति के कारण इसे कड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा का सामना करना पड़ रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 1 और 2

c. केवल 2 और 3

d. केवल 1 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- ग्रामीण, शहरी और रुर्बन (Rurban) क्षेत्रों में इन उद्योगों द्वारा कम समय में बड़े पैमाने पर रोज़गार सृजन की अंतर्निहित प्रकृति के कारण सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) क्षेत्र भारत में समावेशी विकास के लिये सबसे उपयोगी वाहन है। MSME क्षेत्र देश के विभिन्न राज्यों में समान रूप से वितरित है। **अतः कथन 1 सही है।**
- MSME क्षेत्र में समग्र विकास और श्रम-पूंजी अनुपात, बड़े उद्योगों की तुलना में बहुत अधिक है। यह अनुमान लगाया जाता है कि मूल्य के संदर्भ में, इस क्षेत्र का विनिर्माण उत्पादन में लगभग 45% और देश के कुल निर्यात में 40% हिस्सा है। **अतः कथन 2 सही है।**
- यह एक पूंजी गहन क्षेत्र नहीं है अर्थात् MSME की संवृद्धि के लिये कम पूंजी की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र को चीन से आयातित सामान से कड़ी प्रतिस्पर्द्धा का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वहाँ एक मज़बूत विनिर्माण आधार और श्रम संबंधी अनुपालन दायित्व कम हैं।**अतः कथन 3 सही नहीं है।**

19. हाल ही में समाचारों में देखा गया 'पोवेही' शब्द किससे संबंधित है?

a. एक सक्रिय ज्वालामुखी से।

b. एक आदिम मानव प्रजाति से।

c. कृष्ण विवर (ब्लैक होल) से।

d. उष्णकटिबंधीय चक्रवात से।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- M87 ब्लैक होल को आधिकारिक तौर पर M87* के रूप में नामित किया गया है लेकिन इसे पोवेही नाम भी दिया गया है, जिसका अर्थ है "अनंत सृजन का अंधकारमय स्रोत (Embellished Dark Source of Unending Creation)" जो कि देशज हवाई भाषा का वाक्यांश है। हालाँकि दुनिया भर के खगोलविदों द्वारा आधिकारिक रूप से नाम को मान्यता दिये जाने से पहले इसे अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (IAU) द्वारा अनुमोदित होना आवश्यक है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

20. निम्नलिखित में से कौन से पतंजलि द्वारा परिभाषित अष्टांग योग के अंग हैं?

1. यम
2. नियम
3. धारणा
4. समाधि

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 3

b. केवल 2 और 4

c. केवल 1 और 4

d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- अष्टांग योग एक प्राचीन पांडुलिपि योग कोरुंता में वामन ऋषि द्वारा बताई गई योग की एक प्रणाली है। अष्टांग योग का शाब्दिक अर्थ है "आठ अंगों वाला योग," जो कि पतंजलि ऋषि ने योगसूत्र में बताया है।
- पतंजलि के अनुसार, सार्वभौमिक-स्व को प्रकट करने के लिये आंतरिक शुद्धि के मार्ग में निम्नलिखित आठ आध्यात्मिक अभ्यास शामिल हैं:
  - यम (नैतिक संहिता)
  - नियम (आत्म-शुद्धि और अध्ययन)
  - आसन (शारीरिक स्थिति)
  - प्राणायाम (श्वास नियंत्रण)
  - प्रत्याहार (इंद्रिय नियंत्रण)
  - धारणा (एकाग्रता)
  - ध्यान (ध्यान)

- समाधि (सार्वभौम सत्ता में समाहित होना)
- **अतः विकल्प (d) सही है।**

21. निम्नलिखित में से कौन-कौन से प्रावधान न्यायिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करते है?

1. न्यायाधीशों की नियुक्ति में संघीय विधायिका की कोई भूमिका नहीं होती है।
2. न्यायपालिका वित्तीय रूप से न तो विधायिका और न ही कार्यपालिका पर निर्भर है।
3. न्यायपालिका को अपनी अवमानना के लिये दंड देने का अधिकार है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

भारतीय संविधान ने कई उपायों के माध्यम से न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित की है:

- न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया में विधायिका शामिल नहीं होती है। इस प्रकार यह सुनिश्चित किया गया कि न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया में दलगत राजनीति की कोई भूमिका न रहें। **अतः कथन 1 सही है।**
- न्यायाधीशों का कार्यकाल निश्चित होता है। वे सेवानिवृत्त होने तक पद पर बने रहते हैं। केवल अपवाद स्वरूप स्थितियों में ही न्यायाधीशों को हटाया जा सकता है। कार्यकाल की सुरक्षा के कारण न्यायाधीश बिना किसी भय या पक्षपात के अपना कार्य कर सकते हैं।
- **न्यायपालिका न ही कार्यपालिका और न ही विधायिका पर वित्तीय रूप से निर्भर है।** संविधान के अनुसार, न्यायाधीशों के वेतन और भत्तों के लिये विधायिका की स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है। इसे **भारत की संचित निधि और राज्यों की संचित निधि पर भारित** किया गया है। **अतः कथन 2 सही है।**
- न्यायाधीशों के कार्यों और निर्णयों को व्यक्तिगत आलोचनाओं से उन्मुक्त रखा गया है। अगर कोई न्यायालय की अवमानना का दोषी पाया जाता है, तो न्यायपालिका के पास उन्हें दंडित करने का अधिकार है। न्यायालय का यह अधिकार, न्यायाधीशों का अनुचित आलोचना से संरक्षण का प्रभावी उपाय है। **अतः कथन 3 सही है।**
  - संसद न्यायाधीशों के आचरण पर केवल तभी चर्चा कर सकती है जब वह न्यायाधीश को हटाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही हो। इससे न्यायपालिका आलोचना के भय से मुक्त होकर स्वतंत्र रूप से निर्णय देने में सक्षम होती है।

22. 'उपचारात्मक याचिका' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह न्यायालय में न्याय पाने के लिये किसी पक्षकार को उपलब्ध अंतिम विकल्प है।
2. वकीलों की अनुपस्थिति में न्यायाधीशों के कक्ष में इसकी सुनवाई होती है।
3. इसे उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय दोनों में दायर किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

रूपा हुर्रा बनाम अशोक हुर्रा मामले (2002) में उच्चतम न्यायालय ने उपचारात्मक याचिका (Curative Petition) की अवधारणा विकसित की, जिसकी सुनवाई समीक्षा याचिका (Review Petition) खारिज होने के बाद हो सकती है।

- इसे न्यायालय में शिकायतों के निवारण के लिये उपलब्ध अंतिम विकल्प माना जाता है। **अतः कथन 1 सही है।**

- उपचारात्मक याचिका का दायरा समीक्षा याचिका से संकीर्ण है। **समीक्षा याचिकाएँ अधिकतर संविधान के अनुच्छेद 137 के आधार पर दायर की जाती हैं, जबकि** उपचारात्मक **याचिका का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 142 तथा उच्चतम न्यायालय के नियम, 1966 के अधीन है।**
- उपचारात्मक याचिका की अनुमति देने का उद्देश्य केवल कानून की प्रक्रियाओं के किसी भी प्रकार के दुरुपयोग का प्रतिकार करना और यदि न्याय के सिद्धांत का अतिक्रमण हुआ है तो इसे दूर करना है।
- **एक उपचारात्मक याचिका की सुनवाई आम तौर पर जजों के चैंबर में वकीलों की अनुपस्थिति में होती है। केवल दुर्लभ मामलों में ही ऐसी याचिकाओं की सुनवाई खुली अदालत में होती है। अत: कथन 2 सही है।**
- यह उच्चतम न्यायालय के अंतिम निर्णय/आदेश के विरूद्ध राहत पाने और उच्चतम न्यायालय द्वारा समीक्षा याचिका, जिसे पुनर्विचार याचिका भी कहा जाता है, को खारिज करने के बाद दायर की जाती है। इसलिये, इस पर केवल उच्चतम न्यायालय द्वारा विचार किया जा सकता है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- उपचारात्मक याचिका दाखिल करने के लिये उच्चतम न्यायालय ने कुछ शर्तें निर्धारित की हैं-
    - किसी मामले में याचिकाकर्त्ता द्वारा पुनर्विचार याचिका पहले दाखिल की जा चुकी हो।
    - उपचारात्मक याचिका में याचिकाकर्त्ता जिन मुद्दों को आधार बना रहा हो, उन पर पूर्व में दायर पुनर्विचार याचिका में विस्तृत विमर्श न हुआ हो।
    - उच्चतम न्यायालय में उपचारात्मक याचिका पर सुनवाई तभी होती है जब याचिकाकर्त्ता यह प्रमाणित कर सके कि उसके मामले में न्यायालय के निर्णय से प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन हुआ है। साथ ही अदालत द्वारा आदेश जारी करते समय उसे नहीं सुना गया है।
    - इसके अलावा उस स्थिति में भी यह याचिका स्वीकार की जाएगी जहाँ एक न्यायाधीश तथ्यों को प्रकट करने में विफल रहा हो जो पूर्वाग्रहों की आशंका को बढ़ाता है।

23. भारत के उच्चतम न्यायालय के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. केंद्र और राज्यों के बीच विवादों को निपटाने का अनन्य एवं मूल क्षेत्राधिकार उच्चतम न्यायालय में निहित है।
2. सलाहकार क्षेत्राधिकार के अंतर्गत उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गई सलाह राष्ट्रपति पर बाध्यकारी है।
3. उच्चतम न्यायालय का रिट क्षेत्राधिकार उच्च न्यायालय की तुलना में व्यापक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 1
d. केवल 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

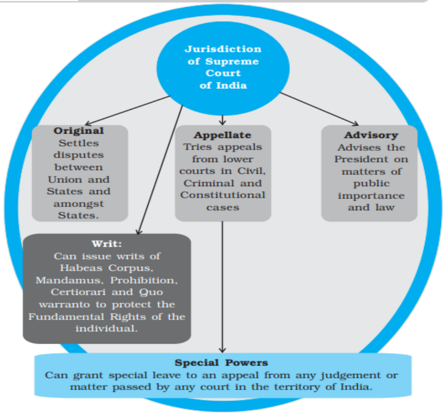

- संघीय न्यायालय के रूप में उच्चतम न्यायालय भारतीय संघ की विभिन्न इकाइयों के बीच किसी विवाद पर निर्णय देता है।

- केंद्र व एक या अधिक राज्यों के बीच हों,
    - केंद्र और कोई राज्य या राज्यों का एक तरफ होना एवं एक या अधिक राज्यों का दूसरी तरफ होना।
    - दो या अधिक राज्यों के बीच।
- उपर्युक्त संघीय विवादों में उच्चतम न्यायालय के पास अनन्य एवं मूल अधिकार क्षेत्र है।
    - अनन्य का अभिप्राय है किसी अन्य न्यायालय को ऐसे विवादों में निर्णय देने की शक्तियाँ प्राप्त नहीं है और मूल का अर्थ है कि प्रथमत: (In The First Instance) इस तरह के विवादों को सुनने का क्षेत्राधिकार, न कि अपील के माध्यम। **अतः कथन 1 सही है।**
- सलाहकार क्षेत्राधिकार (अनुच्छेद-143) के तहत भारत का राष्ट्रपति विधि या सार्वजनिक महत्त्व के किसी भी प्रश्न पर सलाह के लिये मामले को उच्चतम न्यायालय भेज सकता है। लेकिन उच्चतम न्यायालय सलाह देने के लिये बाध्य नहीं है।
    - राष्ट्रपति न्यायालय की ऐसी सलाह या राय को स्वीकार कर भी सकता है और नहीं भी। न्यायालय की सलाह राष्ट्रपति के लिये बाध्यकारी नहीं है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- रिट उच्चतम या उच्च न्यायालय का एक लिखित आदेश है जो मूल अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में संवैधानिक उपचार का आदेश देता है।
    - उच्चतम न्यायालय केवल मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के लिये रिट जारी कर सकता है जबकि उच्च न्यायालयों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के साथ-साथ अन्य उद्देश्यों के लिये भी रिट जारी करने का अधिकार है। इसलिये रिट अधिकारिता के मामले में उच्च न्यायालयों का क्षेत्राधिकार उच्चतम न्यायालय की तुलना में व्यापक है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

24. लोकपाल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. लोकपाल का पद एक सांविधिक पद है।
    2. प्रधानमंत्री और संसद के सदस्य लोकपाल के क्षेत्राधिकार में नहीं आते हैं।
    3. लोकपाल का कार्यकाल 5 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु तक होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 3
b. केवल 1
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

लोकपाल और लोकायुक्त

- लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 संघ के लिये लोकपाल और राज्यों के लिये लोकायुक्त की स्थापना का प्रावधान करता है।
    - ये संस्थान सांविधिक निकाय हैं, न संवैधानिक।
    - एक ओम्बड्समैन की भूमिका में ये निर्धारित सार्वजनिक अधिकारियों के खिलाफ और संबंधित मामलों के लिये भ्रष्टाचार के आरोपों की जाँच करते हैं।

    अत: कथन 1 सही है।
- लोकपाल के क्षेत्राधिकार में प्रधानमंत्री, मंत्री, संसद के सदस्य, वर्ग ए, बी, सी और डी के अधिकारी और केंद्र सरकार के कर्मचारी शामिल हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- लोकपाल संस्था के अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

25. 'न्यायिक समीक्षा' की अवधारणा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. न्यायिक समीक्षा की शक्ति संविधान की मूल संरचना का एक तत्त्व है।

2. यह भारत के संविधान के अनुच्छेद-13 से व्युत्पन्न होती है।
3. यह प्रशासनिक कार्रवाई पर लागू नहीं होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 3
d. केवल 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- न्यायिक समीक्षा केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के विधायी अधिनियमों तथा कार्यपालिका के आदेशों की संवैधानिकता की जाँच की न्यायपालिका की शक्ति है।
  - परीक्षण में यदि ये संविधान का उल्लंघन करते हुए अथवा अधिकारातीत पाए जाते हैं, तो न्यायपालिका इन्हें अवैध, असंवैधानिक तथा शून्य एवं अकृत घोषित कर सकती है। परिणामस्वरूप सरकार द्वारा इन कानूनों का प्रवर्तन नहीं किया जा सकता है।
- संविधान न्यायपालिका (उच्चतम और उच्च न्यायालयों दोनों) को न्यायिक समीक्षा की शक्ति देता है। साथ ही **एल. चंद्र कुमार बनाम भारत संघ वाद (1997)** में उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि न्यायपालिका की **न्यायिक समीक्षा की शक्ति संविधान के मूल ढाँचे का एक तत्त्व है।** इसलिये, संवैधानिक संशोधन द्वारा भी न्यायिक समीक्षा की शक्ति में न तो कटौती की जा सकती है और न ही इसे हटाया जा सकता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- भारत के संविधान के **अनुच्छेद 13 (2) में कहा गया है कि संघ या राज्य कोई भी ऐसा कानून नहीं बनाएंगे जो किसी भी मौलिक अधिकार को छीनता या कम करता हो।** मूल अधिकारों के उल्लंघन में बनाई गई **किसी भी विधि को न्यायपालिका उल्लंघन की मात्रा तक शून्य घोषित** कर सकती है। इस प्रकार न्यायिक समीक्षा का प्रावधान अनुच्छेद 13 से व्युत्पन्न होता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- प्रशासनिक कार्रवाई के संबंध में न्यायिक समीक्षा सामान्य विधि के सिद्धांतों जैसे 'आनुपातिकता', 'वैध अपेक्षा', 'तार्किकता' और 'प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत' के आधार पर विकसित हुई है।
  - भारत के उच्चतम न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों को संविधान के भाग III में गारंटीकृत मौलिक अधिकारों की रक्षा एवं उन्हें लागू करने के लिये विधायी कार्रवाईयों के साथ ही प्रशासनिक कार्यों की भी संवैधानिकता के परीक्षण हेतु न्यायिक समीक्षा की शक्ति प्राप्त है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

26. नौवीं अनुसूची के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसे 1951 में पहले संवैधानिक संशोधन के माध्यम से जोड़ा गया था।
2. इसे संविधान के अनुच्छेद 13 के तहत न्यायिक समीक्षा से भूमि सुधारों के संरक्षण के लिये जोड़ा गया था।
3. इस अनुसूची में शामिल सभी कानूनों को न्यायिक समीक्षा से पूर्ण प्रतिरक्षा प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 3
d. केवल 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अनुच्छेद 31(ख) तथा नौवीं अनुसूची को पहले संविधान संशोधन अधिनियम, 1951के द्वारा जोड़ा गया। **अतः कथन 1 सही है।**
- **इसका उद्देश्य भूमि सुधार कानूनों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर**

न्यायालयों में चुनौती देने से बचाना था। संविधान के अनुच्छेद 13 (2) के अनुसार, राज्य ऐसा कोई भी कानून नहीं बनाएगा जो मौलिक अधिकारों के साथ असंगत हो। **अतः कथन 2 सही है।**

- **आई. आर. कोएल्हो बनाम तमिलनाडु राज्य वाद (2007)** में नौवीं अनुसूची में रखे गए विभिन्न कानूनों को इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाले कानूनों को 'असंवैधानिक' करार दिया जाना चाहिए।
    - उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 31(ख) और किसी विशेष कानून को नौवीं अनुसूची में रखने की संसद की शक्ति को वैधता को बरकरार रखा।
        - हालाँकि यह माना गया कि नौवीं अनुसूची में रखे गए कानूनों की न्यायिक जाँच हो सकती है जिसका अर्थ है कि ऐसे कानून पूर्ण संरक्षण के हकदार नहीं हो सकते;
        - 24 अप्रैल, 1973 को दिये गए केशवानंद भारती वाद के निर्णय, जिसमे "मूल संरचना" के सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया था, के बाद ऐसी विधियों को चुनौती दी जा सकती है। यदि उच्चतम न्यायालय ने नौवीं अनुसूची में शामिल किसी कानून की वैधता को बरकरार रखा है, तो 11 जनवरी, 2007 को दिये गए नवीनतम निर्णय में घोषित सिद्धांतों पर इस तरह के कानून को फिर से चुनौती नहीं दी जा सकती। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

27. 'उच्च न्यायालय' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उच्च न्यायालय की शक्तियों में राज्य विधानमंडल द्वारा परिवर्तन किया जा सकता है।
2. उच्च न्यायालयों को केंद्रीय कानूनों की संवैधानिकता की जाँच करने का अधिकार नहीं है।
3. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन और पेंशन को भारत की संचित निधि पर भारित किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1
c. केवल 2 और 3
d. केवल 1 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

एक राज्य की न्यायपालिका में एक उच्च न्यायालय और अधीनस्थ न्यायालयों की एक पदसोपानात्मक व्यवस्था होती है। राज्य के न्यायिक प्रशासन में उच्च न्यायालय की स्थिति शीर्ष पर होती है।

- संविधान में निर्दिष्ट उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र और शक्तियों को **संसद और राज्य विधानमंडल दोनों द्वारा कम नहीं किया जा सकता (Cannot Be Curtailed) है।** लेकिन एक उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र और शक्तियों को **संसद और राज्य विधायिका दोनों द्वारा परिवर्तित किया जा सकता (Can Be Changed) है। अतः कथन 1 सही है।**
- अनुच्छेद 131(क) में केंद्रीय कानून की संवैधानिक वैधता से संबंधित प्रश्नों के बारे में उच्चतम न्यायालय की अनन्य अधिकारिता का उल्लेख था और इस तरह के मामलों में उच्च न्यायालयों को इस क्षेत्राधिकार से वंचित रखा।
    - अनुच्छेद 226(क) उच्च न्यायालयों को किसी भी केंद्रीय विधि की संवैधानिक वैधता पर विचार करने से वर्जित करता है।

- अनुच्छेद 32(क) में उच्चतम न्यायालय द्वारा राज्य विधियों की संवैधानिक वैधता पर अनुच्छेद 32 के अधीन कार्यवाहियों में विचार न किये जाने का उल्लेख था।
- हालाँकि अनुच्छेद 32(क), 131(क), 226(क) को 43वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1977 द्वारा निरसित कर दिया गया था। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

- एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन और भत्ते, कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और पेंशन के साथ-साथ प्रशासनिक खर्चों को राज्य की संचित निधि पर भारित किया गया है। इस प्रकार इन पर राज्य विधायिका में मतदान नहीं होता हैं।
  - ध्यातव्य है कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की पेंशन भारत संचित निधि पर भारित है, न कि राज्य की संचित निधि पर। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

28. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. ज़िला न्यायाधीशों के पास न्यायिक के साथ-साथ प्रशासनिक शक्तियाँ भी होती हैं।
   2. सत्र न्यायाधीश के पास मृत्युदंड देने की शक्ति नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- ज़िला न्यायाधीश ज़िले का सर्वोच्च न्यायिक अधिकारी होता है। उसे सिविल के साथ-साथ आपराधिक मामलों में भी मूल और अपीलीय क्षेत्राधिकार प्राप्त है।
  - जब वह दीवानी मामलों की सुनवाई करता है, तो उसे ज़िला न्यायाधीश कहा जाता है।
  - जब वह आपराधिक मामलों की सुनवाई करता है, तो उसे सत्र न्यायाधीश कहा जाता है।
- ज़िला न्यायाधीश के पास न्यायिक और प्रशासनिक दोनों प्रकार की शक्तियाँ होती है। उसके पास ज़िले के अन्य सभी अधीनस्थ न्यायालयों के निरीक्षण करने की शक्ति भी होती हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- सत्र न्यायाधीश के पास किसी अपराधी को उम्र कैद से लेकर मृत्युदंड की सज़ा देने का अधिकार होता है।
  - हालाँकि उसके द्वारा दिया गया मृत्युदंड का निर्णय राज्य के उच्च न्यायालय के अनुमोदन के अधीन है, चाहे अपील दायर की गई हो या नहीं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

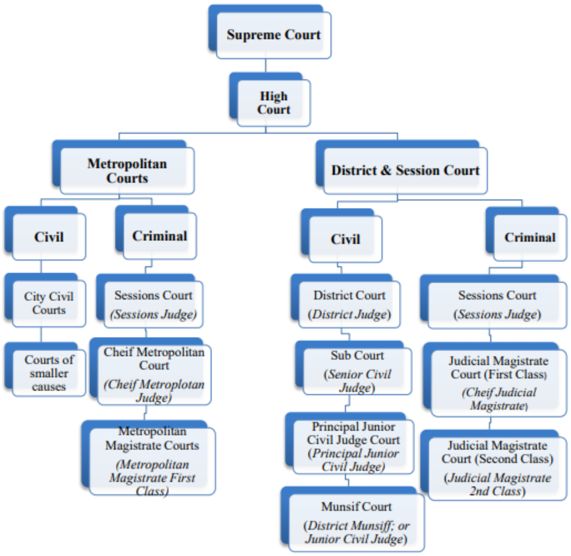

Hierarchy of Courts in India

29. 'चागोस द्वीपसमूह' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह दक्षिण चीन सागर में अवस्थित एक द्वीपसमूह है।
2. ब्रिटेन और चीन चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता के विवाद में शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- चागोस द्वीपसमूह, मध्य हिंद महासागर में अवस्थित द्वीपसमूह है जो भारतीय उपमहाद्वीप के दक्षिण में लगभग 1,000 मील (1,600 किमी) दूर स्थित है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- यूनाइटेड किंगडम और मॉरीशस के बीच चागोस द्वीपसमूह पर संप्रभुता के दावे को लेकर विवाद है। हाल ही में इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ़ जस्टिस (ICJ) ने यूनाइटेड किंगडम से चागोस द्वीपसमूह को मॉरीशस को वापस लौटाने के लिये कहा है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

30.हाल ही में समाचारों में देखा गया 'कालापानी क्षेत्रीय विवाद' किन देशों से संबंधित है?

a. भारत और बांग्लादेश

b. भारत और पाकिस्तान

c. भारत और चीन

d. भारत और नेपाल

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- भारत के नवीनतम राजनीतिक मानचित्र में भारत ने इस क्षेत्र पर अपने दावे को दोहराया जिसे नेपाल दारचुला ज़िले में अपना क्षेत्र मानता है।
- भारत के अनुसार, ऐतिहासिक कालापानी क्षेत्र उत्तराखंड राज्य का हिस्सा है।
- कालापानी एक घाटी है जिसे भारत द्वारा उत्तराखंड के पिथौरागढ़ ज़िले के एक भाग के रूप में प्रशासित किया जाता है। यह कैलाश मानसरोवर मार्ग पर स्थित है।
    - कालापानी क्षेत्र में काली नदी भारत और नेपाल की सीमा का निर्धारण करती है।
    - आंग्ल-नेपाल युद्ध के बाद वर्ष 1816 में नेपाल और ब्रिटिश भारत द्वारा हस्ताक्षरित सुगौली की संधि ने भारत के साथ नेपाल की पश्चिमी सीमा के रूप में काली नदी को मान्यता दी थी। नदी के स्रोत का पता लगाने में हुई विसंगति के कारण दोनों देशों की सीमा के बीच सीमा-विवाद बना हुआ है। **अतः विकल्प (d) सही है।**

31. भारत के उस राज्य की पहचान करें जहाँ फेनी नदी भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा बनाती है?

a. असम

b. मणिपुर

c. त्रिपुरा

d. मिज़ोरम

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- फेनी नदी भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित है। यह एक ट्रांस-बाउंड्री नदी है जिसके जल उपयोग को लेकर विवाद चल रहा है। फेनी नदी का उद्गम दक्षिण **त्रिपुरा** जिले से होता है तथा यह सबरूम शहर से बहती हुई बांग्लादेश में प्रवेश करती है। नोआखली ज़िले से मुहूरी नदी, जिसे

छोटी फेनी भी कहा जाता है, इसके मुहाने पर मिलती है।

- भारत में दक्षिण त्रिपुरा में सबरूम, बंगाल की खाड़ी से केवल 18 से 20 किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन यह वस्तुतः एक भू-आबद्ध (Landlocked) क्षेत्र है।
  - केंद्रीय मंत्रिमंडल ने त्रिपुरा के सबरूम शहर में पेयजल आपूर्ति योजना के लिये भारत द्वारा फेनी नदी से 1.82 क्यूसेक (क्यूबिक फीट प्रति सेकंड) पानी की निकासी पर भारत और बांग्लादेश के बीच इस समझौता ज्ञापन को मंज़ूरी दी है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

32. 'कटलैस एक्सप्रेस' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह संयुक्त राज्य अफ्रीकी कमांड (USAFRICOM) द्वारा प्रायोजित एक समुद्री अभ्यास है।
    2. यह पूर्वी अफ्रीका में समुद्री कानूनों की प्रवर्तन क्षमता का आकलन और सुधार करने के लिये आयोजित किया गया था।
    3. भारतीय नौसेना ने इस अभ्यास में भाग लिया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- कटलैस एक्सप्रेस संयुक्त राज्य अफ्रीकी कमांड (USAFRICOM) द्वारा प्रायोजित और नेवल फोर्सेज़ अफ्रीका (Naval Forces Africa-NAVAF) द्वारा संचालित एक अभ्यास है। **अतः कथन 1 सही है।**
- इसका उद्देश्य समुद्री कानूनों की प्रवर्तन क्षमता का आकलन और इसमें सुधार करना, पूर्वी अफ्रीका में राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देना, योजना एवं संचालन को सूचित करना और सुरक्षा बल सहायता (SFA) प्रयासों को आकार देना है। **अतः कथन 2 सही है।**
- भारतीय नौसेना ने 27 जनवरी से 06 फरवरी, 2019 तक कटलैस एक्सप्रेस अभ्यास में भाग लिया। यह अभ्यास क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु संयुक्त राज्य अमेरिका और भागीदार राष्ट्रों- सोमालिया, जिबूती, मॉरीशस, मोज़ाम्बिक, तंजानिया, सेशेल्स, संयुक्त राज्य अमेरिका, केन्या, कनाडा, जॉर्जिया, ग्रीस, मिस्र, मेडागास्कर, सऊदी अरब, सेनेगल और कोमोरोस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। **अतः कथन 3 सही है।**

33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. पृथ्वी की निम्न कक्षा में घूम रहे उपग्रह को नष्ट करने के लिये मिशन शक्ति लॉन्च किया गया था।
    2. भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसके पास एंटी-सैटेलाइट हथियारों संबंधी क्षमताएँ हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारत ने ओडिशा के तट पर अवस्थित डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम द्वीप से एंटी-सैटेलाइट सिस्टम (A-SAT) का सफल परीक्षण किया है। परीक्षण को मिशन शक्ति नाम दिया गया था। इसने पृथ्वी की निचली कक्षा (Low Earth Orbit) में घूम रहे एक उपग्रह को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। **अतः कथन 1 सही है।**
- गत्यात्मक (Kinetic) और गैर-गत्यात्मक (Non-Kinetic), A-SAT के दो प्रकार है।
- गत्यात्मक A-SATs, बैलिस्टिक मिसाइलों की तरह किसी वस्तु को नष्ट करने के लिये उस पर भौतिक रूप से प्रहार करती हैं।

- **कार्य प्रणाली:**
  - किसी भी उपग्रह को नष्ट करने के लिये, वास्तविक समय में उसकी सटीक गति और अवस्थिति की जानकारी होनी चाहिए।
  - उपग्रह की गति और वह कक्षा जिसमें वह घूम रहा है, का निर्धारण करते हुए A-SAT मिसाइल लॉन्च की जाती है।
  - कक्षा में उपग्रह की स्थिति के बारे में जानकारी वास्तविक समय में मिसाइल को संप्रेषित की जाती है।
  - इस जानकारी के आधार पर मिसाइल उपग्रह की ओर प्रक्षेपित होती है।
  - मिसाइल के अंदर एक काइनेटिक किल व्हीकल (Kinetic Kill Vehicle-KKV) होता है, जो सेंसर से उपग्रह को डिटेक्ट कर उस पर प्रहार करता है।
- गैर-गत्यात्मक A-SATs अंतरिक्ष में वस्तुओं को निष्क्रिय या नष्ट करने के लिये आवृत्ति अवरोधन साइबर आक्रमण जैसे गैर-भौतिक साधनों का उपयोग करते हैं।
- अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत एंटी-सैटेलाइट हथियार (A-SAT) तकनीक रखने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

34.हाल ही में समाचार में रहा 'ट्रिपल बिलियन लक्ष्य' किससे संबंधित है?

a. विश्व बैंक

b. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

c. विश्व स्वास्थ्य संगठन

d. विश्व आर्थिक मंच

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अपनी नई 5-वर्षीय रणनीतिक योजना को शुरू किया है, जिसमें एक महत्त्वाकांक्षी ट्रिपल बिलियन लक्ष्य है-
  - सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज से 1 बिलियन और लोगों को लाभान्वित करना
  - स्वास्थ्य आपात स्थितियों से 1 बिलियन और लोगों को सुरक्षित करना
  - 1 बिलियन और अधिक लोगों को बेहतर स्वास्थ्य एवं कल्याण सुविधाएँ प्रदान कराना।

अत: विकल्प (c) सही है।

35. इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान (ICAP) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ICAP को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा लॉन्च किया गया है।
2. ICAP क्योटो प्रोटोकॉल, 1997 के लिये भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान (India Cooling Action Plan- ICAP) केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन (MoEFCC) मंत्रालय के अधीन ओज़ोन सेल द्वारा लॉन्च किया गया है। **अतः कथन 1 सही है।**
- यह योजना मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल, 1987 (ओज़ोन-क्षयकारी पदार्थों में कमी से संबंधित) के साथ-साथ 2015 के पेरिस समझौते में जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु भारत की प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

36. युवा विज्ञानी कार्यक्रम (YUVIKA) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य स्कूली बच्चों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान तथा अंतरिक्ष अनुप्रयोगों पर बुनियादी ज्ञान देना है

2. यह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक संयुक्त पहल है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

युवा विज्ञानी कार्यक्रम (YUva VIgyani KAryakram-YUVIKA)

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य मुख्य रूप से अंतरिक्ष के उभरते क्षेत्र में रुचि जगाने हेतु युवाओं को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों पर मूलभूत ज्ञान प्रदान करना है। **अतः कथन 1 सही है।**
- यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) की एक पहल है। यह गर्मियों की छुट्टियों के दौरान लगभग दो सप्ताह की अवधि का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसमें प्रत्येक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश से 3 छात्रों का चयन किया जाना प्रस्तावित है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

37. 'ग्राम न्यायालय अधिनियम' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. इस अधिनियम के अनुसार, ग्राम न्यायालय केवल सिविल मामलों की सुनवाई कर सकता है, आपराधिक मामलों की नहीं।
2. यह अधिनियम स्थानीय सामाजिक कार्यकर्त्ताओं को मध्यस्थ/सुलहकर्त्ता के रूप में स्वीकार करता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)

व्याख्या :

- देश के आम नागरिकों तक न्याय व्यवस्था की पहुँच को बढ़ाने और प्रत्येक नागरिक को देश के न्यायिक तंत्र से जोड़ने तथा नागरिकों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराने के लिये 'ग्राम न्यायालय अधिनियम, 2008' के तहत 'ग्राम न्यायालयों' की स्थापना की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है।
    - इनका क्षेत्राधिकार जम्मू और कश्मीर, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और छठी अनुसूची के जनजातीय क्षेत्रों को छोड़कर पूरे भारत में है।
- अधिनियम के अनुसार, ग्राम न्यायालय सिविल और आपराधिक दोनों प्रकार के मामले देखता है। यह केवल वैसे आपराधिक मामले ही देखता है जिनमें अधिकतम 2 वर्ष की सज़ा होती है। **अत: कथन 1 सही है।**
- ज़िला मजिस्ट्रेट के परामर्श से ज़िला न्यायालय, ग्रामीण स्तर के सामाजिक कार्यकर्त्ताओं के नामों का एक पैनल तैयार करता है, जो सत्यनिष्ठ हो और उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित योग्यता एवं अनुभव रखते हैं। **अत: कथन 2 सही है।**

अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी

- ग्राम न्यायालय में प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट स्तर का न्यायाधीश होता है जिसे 'न्यायाधिकारी' कहा जाता है, जिसकी नियुक्ति संबंधित राज्य के उच्च न्यायालय के परामर्श से राज्य सरकार द्वारा की जाती है।
- अधिनियम में प्रदत्त विशेष अधिकारों के तहत ग्राम न्यायालय सिविल प्रक्रिया संहिता (Code of Civil Procedure), 1908 व भारतीय साक्ष्य अधिनियम (Indian Evidence Act), 1872 का अनुसरण करने के लिये बाध्य नहीं है।
- अधिनियम के अनुसार, ग्राम न्यायालय आपराधिक मामलों में न्याय की संक्षिप्त प्रक्रिया (Summary Procedure) और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों (Principles of Natural Justice) का अनुसरण करते हुए शीघ्र न्याय प्रदान करने का प्रयास करेंगे।

- इसमें सिविल मामलों को आपसी समझौतों से, जबकि आपराधिक मामलों में 'प्ली बार्गेनिंग' (Plea Bargaining) के माध्यम से अभियुक्तों को अपना अपराध स्वीकार करने का अवसर दिया जाता है।
- ग्राम न्यायालय द्वारा दिये गए किसी आदेश को 30 दिनों के अंदर संबंधित ज़िला न्यायालय या सत्र न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है।
    - **दीवानी मामले:** ग्राम न्यायालय द्वारा दीवानी मामले में दिये गए किसी आदेश को संबंधित ज़िला न्यायालय (District Court) में चुनौती दी जा सकती है।
    - **फौजदारी मामले:** ग्राम न्यायालय द्वारा फौजदारी मामले में दिये गए किसी आदेश को संबंधित सत्र न्यायालय (Session Court) में चुनौती दी जा सकती है।
    - ज़िला एवं सत्र न्यायालयों को ग्राम न्यायालय के आदेश के खिलाफ प्राप्त याचिकाओं पर 6 माह के अंदर फैसला देना होता है।
- अधिनियम में मोबाइल अदालतों (Mobile Courts) का भी प्रावधान हैं, जिन्हें नागरिक और आपराधिक दोनों अदालतों की शक्तियाँ प्राप्त होती है और समय-समय पर उन गाँवों में आयोजित की जाती हैं, जहाँ पक्षकार निवास करते हैं।

38. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका उद्देश्य समान अवसरों के आधार पर समाज के कमज़ोर वर्गों को नि:शुल्क एवं सक्षम विधिक सेवाएँ उपलब्ध कराना है।
2. यह पूरे देश में विधिक कार्यक्रमों और योजनाओं को लागू करने के लिये राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों को निर्देश जारी करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या :

- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) का गठन विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत किया गया है।
    - इसका उद्देश्य समान अवसरों के आधार पर समाज के कमज़ोर वर्गों को नि:शुल्क कानूनी सेवाएँ प्रदान करना और विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिये लोक अदालतों की स्थापना करना है। **अत: कथन 1 सही है।**
- भारत के मुख्य न्यायाधीश NALSA के मुख्य संरक्षक हैं।
- प्रत्येक राज्य में, NALSA की नीतियों और निर्देशों को प्रभावी बनाने तथा राज्य में लोगों को मुफ्त कानूनी सेवाएँ देने और लोक अदालतों का संचालन करने के लिये राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (State Legal Services Authority) का गठन किया गया है। प्रत्येक ज़िले में, विधिक सेवा कार्यक्रमों को लागू करने के लिये ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन किया गया है। **अत: कथन 2 सही है।**
- राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का नेतृत्व संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश करते हैं जो राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रमुख संरक्षक हैं। ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता संबंधित ज़िले के ज़िला न्यायाधीश द्वारा की जाती है।

39. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत में किसी राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा संबंधित राज्य के राज्यपाल की अनुशंसा पर की जाती है।

2. सिविल प्रक्रिया संहिता के उपबंधों के अनुसार, राज्य स्तर पर उच्च न्यायालयों की मूल, अपीलीय और सलाहकारी अधिकारिता होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अनुच्छेद 165 (1) के अनुसार, प्रत्येक राज्य का राज्यपाल, उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के योग्य किसी व्यक्ति को राज्य का महाधिवक्ता नियुक्त करता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- अनुच्छेद 165 (2) में कहा गया है कि महाधिवक्ता का यह कर्तव्य होगा कि वह उस राज्य की सरकार को विधि संबंधी ऐसे विषयों पर सलाह दे और विधिक स्वरूप के ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करे जो राज्यपाल उसको समय-समय पर निर्देशित करे या सौंपे और उन कृत्यों का निर्वहन करे जो उसको इस संविधान अथवा किसी अन्य विधि द्वारा या उसके अधीन प्रदान किये गए हों।
- भारत में उच्च न्यायालयों को कुछ मामलों के संबंध में सिविल प्रक्रिया संहिता के तहत कुछ विशिष्ट शक्तियाँ प्रदान की गई हैं।
  - राज्य स्तर पर उच्च न्यायालयों का मूल, अपीलीय और सलाहकारी क्षेत्राधिकार होता है। किसी भी न्यायाधिकरण या अधीनस्थ अदालत द्वारा विधि के प्रश्न के संबंध में उच्च न्यायालय को संदर्भित कोई भी मामला उच्च न्यायालय के सलाहकार क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है। **अत: कथन 2 सही है।**

40. लोक अदालतों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है?

a. लोक अदालतों की अधिकारिता मुकदमा दायर करने से पहले के मामलों का निपटारा करने की है, न कि उन मामलों का, जो पहले से किसी न्यायालय में लंबित हो।

b. लोक अदालतें ऐसे मामलों का निपटारा कर सकती हैं जो सिविल प्रकृति के है, न कि आपराधिक प्रकृति के।

c. प्रत्येक लोक अदालत में केवल सेवारत अथवा सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी ही नियुक्त हो सकते है, कोई अन्य व्यक्ति नहीं।

d. उपर्युक्त में से कोई सा भी कथन सही नहीं है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- भारतीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) अन्य विधिक सेवा संस्थानों के साथ लोक अदालतों का आयोजन करता है। लोक अदालत वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रों में से एक है, जहाँ न्यायिक अदालत में या पूर्व-मुकदमेबाजी के चरण में लंबित विवाद या मामलों का निपटान किया जाता है अथवा सौहार्दपूर्ण तरीके से समझौते द्वारा मामले को सुलझाया जाता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- लोक अदालतों को विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत संविधिक दर्जा दिया गया है। इनके द्वारा पारित निर्णय अंतिम और सभी पक्षों पर बाध्यकारी होते है और इस तरह के निर्णय के खिलाफ किसी भी न्यायालय में अपील नहीं की जा सकती है।
- लोक अदालतें दीवानी मामलों के साथ-साथ आपराधिक मामलों से भी निपट सकती हैं जो किसी भी कानून के तहत समाधेय हैं। उनके पास तलाक से संबंधित मामलों या किसी कानून के तहत अपराध से संबंधित मामलों के संबंध में कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- लोक अदालत की अध्यक्षता वर्तमान या सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी द्वारा की जाती है, जिसमें प्राय: दो अन्य सदस्य-एक वकील और एक सामाजिक कार्यकर्त्ता होते हैं। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

41.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. दिल्ली में विधानसभा का गठन 69वें संविधान संशोधन द्वारा किया गया था।

2. केंद्रशासित प्रदेशों के लिये संसद संघ, राज्य और समवर्ती, तीनों सूचियों पर कानून बना सकती है।
3. दिल्ली की विधानसभा केवल राज्य सूची पर कानून बना सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2

b. केवल 1

c. केवल 2 और 3

d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- 1991 के 69वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली को विशेष दर्जा देते हुए इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (National Capital Territory of Delhi) नाम दिया गया। उप-राज्यपाल (लेफ्टिनेंट गवर्नर) को दिल्ली के प्रशासक के रूप में नामित किया गया है।
    - इसके द्वारा दिल्ली के लिये एक विधानसभा और मंत्रिपरिषद की स्थापना की गई। पहले दिल्ली में एक महानगर परिषद और एक कार्यकारी परिषद थी। **अतः कथन 1 सही है।**
- केंद्रशासित प्रदेशों के लिये संसद राज्य सूची सहित संघ और समवर्ती सूची के किसी भी विषय पर कानून बना सकती है। संसद की इस शक्ति का विस्तार पुद्दुचेरी, दिल्ली और जम्मू एवं कश्मीर तक है जबकि इनकी अपनी विधायिकाएँ हैं। **अत: कथन 2 सही है।**
    - केंद्रशासित प्रदेशों के लिये राज्य सूची के विषयों पर संसद की विधायी शक्ति उनके लिये अपनी विधायिका स्थापित करने के बाद भी अप्रभावित रहती है।
        - लेकिन, पुद्दुचेरी विधानसभा राज्य सूची और समवर्ती सूची के किसी भी विषय पर कानून बना सकती है।
        - जम्मू एवं कश्मीर की विधानसभा राज्य सूची (लोक व्यवस्था एवं पुलिस को छोड़कर) तथा समवर्ती सूची के अंतर्गत किसी विषय पर कानून बना सकती है।
    - दिल्ली की विधानसभा राज्य सूची (लोक व्यवस्था, पुलिस और भूमि को छोड़कर) और समवर्ती सूची के किसी भी विषय पर कानून बना सकती है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

42. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अनुसूचित क्षेत्र संसद द्वारा घोषित किया जाता है।
2. अनुसूचित क्षेत्र वाले प्रत्येक राज्य में जनजातीय सलाहकार परिषद की स्थापना करना अनिवार्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

संविधान के भाग X में अनुच्छेद 244 'अनुसूचित क्षेत्रों' और 'जनजातीय क्षेत्रों' नामित कुछ क्षेत्रों में प्रशासन की विशेष प्रणाली का प्रावधान करता है।

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 244 (1) के अनुसार, 'अनुसूचित क्षेत्र' को ऐसे क्षेत्रों के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसे राष्ट्रपति के आदेश द्वारा अनुसूचित क्षेत्र घोषित किया गया हो।
    - एक राज्य के संबंध में "अनुसूचित क्षेत्रों" का विनिर्देश, उस राज्य के राज्यपाल के साथ परामर्श के बाद राष्ट्रपति के एक अधिसूचित आदेश द्वारा होता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- पाँचवीं अनुसूची के तहत किसी भी क्षेत्र को 'अनुसूचित क्षेत्र' के रूप में घोषित करने के लिये निम्नलिखित मानदंड हैं:
  - जनजातीय जनसंख्या की बहुलता
  - क्षेत्र की सघनता और उचित आकार
  - एक व्यवहार्य प्रशासनिक इकाई जैसे- ज़िला, ब्लॉक या तालुक
  - पड़ोसी क्षेत्रों की तुलना में क्षेत्र का आर्थिक पिछड़ापन।
- ये मानदंड भारत के संविधान में वर्णित नहीं हैं, लेकिन पूरी तरह से स्थापित हो चुके हैं। तदनुसार, वर्ष 1950 से 2007 तक अनुसूचित क्षेत्रों से संबंधित संवैधानिक आदेशों को अधिसूचित किया गया हैं।
- पाँचवीं अनुसूची के क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित विशेष उपबंध निम्नलिखित हैं-
  - **केंद्र और राज्य की कार्यकारी शक्ति:** ऐसे क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में राज्यों को निर्देश देना केंद्र की कार्यकारी शक्ति में शामिल है।
    - अनुसूचित क्षेत्र वाले प्रत्येक राज्य का राज्यपाल वार्षिक रूप से अथवा जब कभी राष्ट्रपति द्वारा ऐसी अपेक्षा की जाए, उस राज्य में अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में राष्ट्रपति को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करता है।
  - **अनुसूचित क्षेत्रों में लागू कानून:** राज्यपाल को यह अधिकार है कि वह राष्ट्रपति की सहमति से संसद या राज्य विधानमंडल के किसी विशेष अधिनियम को अनुसूचित क्षेत्रों में लागू न करे या कुछ परिवर्तन एवं अपवादस्वरूप लागू करे।
  - **जनजातीय सलाहकार परिषद:** पाँचवीं अनूसूची का पैरा 4 अनुसूचित क्षेत्र वाले किसी राज्य में जनजाति सलाहकार परिषद (Tribes Advisory Council-TAC) की स्थापना का उपबंध करता है।
    - यदि राष्ट्रपति ऐसी इच्छा व्यक्त करता है, तो अनुसूचित जनजातीय आबादी वाले किसी राज्य में, चाहे उसमें अनुसूचित क्षेत्र न भी हों, एक जनजातीय सलाहकार परिषद (TAC) स्थापित की जाएगी। **अतः कथन 2 सही है।**
    - TAC में अधिकतम 20 सदस्य होंगे, जिनमें से तीन-चौथाई सदस्य राज्य की विधानसभा में अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाले होंगे।
    - यदि उस राज्य की विधानसभा में अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधियों की संख्या TAC में ऐसे प्रतिनिधियों द्वारा भरे जाने वाले स्थानों की संख्या की तुलना में कम हो, तो शेष स्थानों को ऐसी जनजातियों के अन्य सदस्यों द्वारा भरा जाएगा।

43. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिये:
   1. केंद्रशासित प्रदेश के रूप में पुद्दुचेरी का निर्माण।
   2. हिमाचल प्रदेश को राज्य का दर्जा।
   3. दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के रूप में नामित करना।
   4. पुर्तगाल से दादरा और नागर हवेली को मुक्त कराना।

उपर्युक्त घटनाओं को सही कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिये:

a. 4-2-1-3
b. 1-4-2-3
c. 2-3-1-4
d. 4-1-2-3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- पुर्तगालियों ने वर्ष 1954 तक दादरा और नागर हवेली की मुक्ति तक इस पर शासन किया। वर्ष 1961 तक लोगों द्वारा चुने गए प्रशासक द्वारा प्रशासन का संचालन किया गया। इसे 10वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1961 द्वारा दादरा और नागर हवेली को भारत के केंद्रशासित प्रदेश में परिवर्तित कर दिया गया।
- भारत में पुद्दुचेरी, कराइकल, माहे और यनम के नाम से विदित पुद्दुचेरी का क्षेत्र फ्रांसीसी नियंत्रण में था। फ्रॉंस ने वर्ष 1954 में इस क्षेत्र को भारत को सौंप दिया।
  - इसे वर्ष 1962 तक 'अधिग्रहित क्षेत्र' के रूप में प्रशासित किया गया था, फिर 14वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1962 द्वारा इसे एक केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया।
- वर्ष 1971 में केंद्रशासित राज्य हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा देते हुए भारतीय संघ में 18वें राज्य के रूप में शामिल कर लिया गया।
- वर्ष 1992 में 69वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1991 द्वारा केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (पूर्ण राज्य का दर्जा दिए बिना) के रूप में विशेष दर्जा प्रदान किया गया।

अत: विकल्प (d) सही है।

44. छठीं अनुसूची के तहत स्वायत्त ज़िला परिषद के प्रशासन से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ज़िला परिषद में केवल निर्वाचित सदस्य होते हैं।
2. ज़िला परिषद को विवादों के निपटारे के लिये ग्राम न्यायालयों के गठन का अधिकार है।
3. राष्ट्रपति के पास ज़िला परिषद को भंग करने की शक्ति है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. केवल 1 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

संविधान की छठी अनुसूची में चार उत्तर-पूर्वी राज्यों असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के लिये विशेष प्रावधान शामिल हैं।

छठी अनुसूची में निहित प्रशासन की कुछ मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

- असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम के जनजातीय क्षेत्रों में स्वशासी ज़िलों का गठन किया गया है, लेकिन वे संबंधित राज्य के कार्यकारी प्राधिकार से बाहर नहीं हैं।
- राज्यपाल को स्वशासी ज़िलों को स्थापित करने और पुनर्गठित करने का अधिकार है।
- प्रत्येक स्वशासी ज़िले में एक ज़िला परिषद होती है जिसमें 30 सदस्य हो सकते हैं। इनमें से चार सदस्य राज्यपाल द्वारा मनोनीत होते हैं तथा शेष 26 वयस्क मताधिकार के आधार पर चुने जाते हैं। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
  - ज़िला परिषदें अपने अधिकार क्षेत्र के तहत आने वाले क्षेत्रों में प्रशासन संबंधी उत्तरदायित्व संभालती हैं। ये भूमि, वन, नहर जल, स्थानान्तरण कृषि, ग्राम प्रशासन, संपत्ति के उत्तराधिकार, विवाह और तलाक, सामाजिक रीति-रिवाज़ जैसे कुछ विशिष्ट मामलों पर कानून बना सकती हैं, लेकिन ऐसे सभी कानूनों के लिये राज्यपाल की सहमति की आवश्यकता होती है।
  - ज़िला और प्रादेशिक परिषदें अपने अधीन क्षेत्रों में जनजातियों से संबंधित मुकदमों और मामलों की सुनवाई के

लिये ग्राम परिषदों या न्यायालयों का गठन कर सकती हैं। **अतः कथन 2 सही है।**

- इन मुकदमों और मामलों पर उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार राज्यपाल द्वारा निर्धारित किया जाता है।

- राज्यपाल स्वशासी ज़िलों या क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित किसी भी मामले पर जाँच और रिपोर्ट देने के लिये एक आयोग नियुक्त कर सकता हैं। राज्यपाल आयोग की सिफारिश पर ज़िला या क्षेत्रीय परिषदों को भंग कर सकता है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

45. पंचायती राज व्यवस्था के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. गाँव के सभी लोग ग्राम सभा के सदस्य होते हैं।
2. मध्यवर्ती ज़िला स्तर के सदस्यों को जनता प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुनती है।
3. 73वें संशोधन अधिनियम में पिछड़े वर्गों के लिये सीटों का आरक्षण अनिवार्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. केवल 1 और 3
d. केवल 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **ग्राम सभा:** 73वाँ संशोधन अधिनियम पंचायती राज व्यवस्था की नींवके रूप में एक ग्राम सभा का प्रावधान करता है। **ग्राम सभा में गाँव के स्तर पर गठित पंचायत क्षेत्र में निर्वाचक सूची में पंजीकृत व्यक्ति होते हैं।**
  - अतः यह पंचायत क्षेत्र में पंजीकृत मतदाताओं की एक ग्राम-स्तरीय सभा है। यह ग्रामीण स्तर पर राज्य के विधानमंडल द्वारा निर्धारित की गई शक्तियों का प्रयोग और कार्यों का निष्पादन करती है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- **सदस्यों और अध्यक्षों का चुनाव:** ग्राम, माध्यमिक तथा ज़िला स्तर पर पंचायतों के सभी सदस्य लोगों द्वारा सीधे चुने जाएंगे।
  - इसके अलावा माध्यमिक एवं ज़िला स्तर पर पंचायत के अध्यक्ष का चुनाव निर्वाचित सदस्यों द्वारा उन्ही में से अप्रत्यक्ष रूप से होगा। हालाँकि ग्रामीण स्तर पर पंचायत के अध्यक्ष का चुनाव राज्य विधानमंडल द्वारा निर्धारित तरीके से होगा। **अतः कथन 2 सही है।**
- **सीटों का आरक्षण:** यह अधिनियम प्रत्येक पंचायत में (तीनों स्तरों पर) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को उनकी संख्या की कुल जनसंख्या के अनुपात में सीटों पर आरक्षण उपलब्ध कराता है।
  - इसके अलावा राज्य विधानमंडल ग्राम या अन्य स्तर पर पंचायतों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिये अध्यक्ष पद के लिये भी आरक्षण प्रदान करेगा।
  - इस अधिनियम में महिलाओं के लिये उपलब्ध कुल सीटों (इसमें वह संख्या भी शामिल है जिसके तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित महिलाओं को आरक्षण दिया जाता है) में से कम-से-कम एक-तिहाई स्थान आरक्षित करने का भी प्रावधान है। इसके अतिरिक्त पंचायतों में अध्यक्ष व अन्य पदों के लिये प्रत्येक स्तर पर महिलाओं के लिये आरक्षण एक-तिहाई से कम नहीं होगा।
  - यह अधिनियम विधानमंडल को इसके लिये भी अधिकृत करता है कि वह पंचायत अध्यक्ष के कार्यालय में पिछड़े वर्गों के लिये किसी भी स्तर पर

आरक्षण की व्यवस्था करे। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

46. निम्नलिखित में से कौन-सी समितियाँ पंचायती राज व्यवस्था से संबंधित हैं?

1. बलवंत राय मेहता समिति
2. अशोक मेहता समिति
3. राजा चेलैया समिति
4. एल. एम. सिंघवी समिति

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 4
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. केवल 1, 2 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- वर्ष 1957 में भारत सरकार ने सामुदायिक विकास कार्यक्रम (1952) और राष्ट्रीय विस्तार सेवा (1953) द्वारा किये गए कार्यों की जाँच और उनके बेहतर कार्यान्वयन के लिये उपाय सुझाने के लिये **बलवंत राय मेहता समिति** का गठन किया था।
    - इस योजना की मुख्य सिफारिशों में 'लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण' की योजना और 'त्रि-स्तरीय पंचायती राज प्रणाली' (PRI) की स्थापना करना शामिल है।
- **अशोक मेहता समिति** का गठन जनता पार्टी सरकार द्वारा वर्ष 1977 में भारत में पतनोन्मुख पंचायती राज संस्थाओं (PRI) को मज़बूत करने के लिये किया गया था।
    - इस समिति की प्रमुख सिफारिशों में त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली को द्विस्तरीय प्रणाली में बदलना, राज्य स्तर से नीचे विकेंद्रीकरण के लिये ज़िले को ही प्रथम बिंदु बनाना, PRI को कराधान की अनिवार्य शक्तियाँ देना, पंचायती राज संस्थाओं (PRI) का नियमित सामाजिक लेखा परीक्षण, जनसंख्या के आधार पर अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिये स्थानों का आरक्षण आदि शामिल हैं।
- ग्रामीण विकास एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करने हेतु मौजूदा प्रशासनिक व्यवस्थाओं के लिये योजना आयोग द्वारा वर्ष 1985 में **जी. वी. के. राव समिति** का गठन किया गया।
    - ज़िला परिषद (ज़िला स्तर पर) को लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण स्थान देना तथा पंचायती राज संस्थाओं (PRI) के लिये चुनावों का नियमित संचालन करना इस समिति की प्रमुख सिफारिशें थी।
- वर्ष 1986 में राजीव गांधी सरकार ने 'लोकतंत्र व विकास के लिये **पंचायती राज संस्थाओं के पुनरुद्धार**' पर एक अवधारणा पत्र तैयार करने हेतु **एल. एम. सिंघवी समिति** का गठन किया।
    - इस समिति ने ग्राम सभा को अधिक व्यवहार्य बनाने के लिये गाँवों का पुनर्गठन तथा पंचायती राज संस्थाओं (PRI) को संवैधानिक मान्यता देने जैसी महत्त्वपूर्ण सिफारिशें की थी।
- **राजा चेलैया समिति कराधान से संबंधित है। अत: विकल्प (d) सही है।**

47. निम्नलिखित में से कौन भारतीय संविधान की 'ग्यारहवीं अनुसूची' का/के घटक है/हैं?

1. परिवार कल्याण
2. सार्वजनिक वितरण प्रणाली
3. गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम
4. खादी, ग्रामोद्योग एवं कुटीर उद्योग

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 4
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

ग्यारहवीं अनुसूची: इसमें पंचायतों के दायरे में 29 प्रकार्यात्मक विषय-वस्तु समाहित हैं:

1. कृषि, जिसमें कृषि विस्तार सम्मिलित है।
2. भूमि विकास, भूमि सुधार, भूमि संगठन एवं मृदा संरक्षण।
3. लघु सिंचाई, जल प्रबंधन और जलसंभर का विकास।
4. पशुपालन, दुग्ध व्यवसाय तथा कुक्कुट पालन।
5. मत्स्य उद्योग।
6. सामाजिक वानिकी और वन वानिकी।
7. गौण वन-उपज।
8. लघु उद्योग, जिसमें खाद्य प्रसंस्करण उद्योग शामिल है।
9. **खादी, ग्रामोद्योग एवं कुटीर उद्योग।**
10. ग्रामीण आवास।
11. पेयजल।
12. ईंधन और चारा।
13. सड़कें, पुलों, तटों (घाट), जलमार्ग और अन्य संचार साधन।
14. ग्रामीण विद्युतीकरण, जिसमें विद्युत का वितरण शामिल है।
15. गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोत।
16. **गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम।**
17. शिक्षा, जिसमें प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं।
18. तकनीकी प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा।
19. वयस्क एवं गैर-वयस्क औपचारिक शिक्षा।
20. पुस्तकालय।
21. सांस्कृतिक क्रियाकलाप।
22. बाज़ार एवं मेले।
23. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी संस्थाएँ (अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और औषधालय)।
24. **परिवार कल्याण।**
25. महिला एवं बाल विकास।
26. समाज कल्याण, जिसमें दिव्यांग एवं मानसिक रोगियों की समृद्धि शामिल है।
27. कमज़ोर वर्गों का कल्याण, जिसमें विशेषकर अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति शामिल है।
28. **सार्वजनिक वितरण प्रणाली।**
29. सामुदायिक संपत्ति का रखरखाव।

- **अतः विकल्प (d) सही है।**

48. अंतर्राष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन (ICAO) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी है।
2. भारत ने अंतर्राष्ट्रीय नागरिक विमानन अभिसमय की पुष्टि की है।
3. इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क में स्थित है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन (International Civil Aviation Organization- ICAO) संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी है। इसकी स्थापना वर्ष 1944 में अंतर्राष्ट्रीय नागरिक विमानन अभिसमय (शिकागो कन्वेंशन) के प्रशासन एवं प्रबंधन हेतु की गई थी। भारत इसके 193 सदस्यों में से एक है। **अतः कथन 1 सही है।**
- भारत ने 1 मार्च, 1947 को इस अभिसमय की पुष्टि की थी। **अतः कथन 2 सही है।**
- इसका मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन के विकास एवं नियोजन को बढ़ावा देना है ताकि विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय नागरिक विमानन की सुरक्षित एवं व्यवस्थित संवृद्धि सुनिश्चित हो सके।
- इसका मुख्यालय मॉन्ट्रियल (कनाडा) में स्थित है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

49. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (UPU) संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी है।

2. भारत स्वतंत्रता पश्चात् यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (UPU) में शामिल हुआ।
3. यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (UPU) अंतर्राष्ट्रीय डाकों के आदान-प्रदान को विनियमित करता है तथा अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवाओं की दरे तय करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 1 और 3
d. केवल 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (Universal Postal Union-UPU)

- यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी है। इसे वर्ष 1874 में स्थापित किया गया था और यह अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (1865) के बाद विश्व में दूसरा सबसे पुराना अंतरराष्ट्रीय संगठन है। **अतः कथन 1 सही है।**
    - भारत वर्ष 1876 में UPU में शामिल हुआ। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- इसका मुख्यालय बर्न (स्विट्ज़रलैंड) में स्थित है और इसमें 192 देश शामिल हैं।
- यह अंतर्राष्ट्रीय डाकों के आदान-प्रदान को विनियमित करता है और अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवाओं की दरों को तय करता है। यह सलाहकार, मध्यस्थ एवं संपर्क-बिंदु की भूमिका निभाता है और जहाँ आवश्यक हो वहाँ तकनीकी सहायता भी प्रदान कराता है। **अतः कथन 3 सही है।**
- यह संगठन हाल ही में चर्चा में रहा था जब पाकिस्तान ने 27 अगस्त, 2019 से भारत के साथ डाक सेवाओं का आदान-प्रदान बंद कर दिया। पाकिस्तान द्वारा लिया गया यह निर्णय बिना किसी पूर्व सूचना पर आधारित था जो अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन है।

50. वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (FATF) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह जी-20 देशों की एक पहल थी।
2. यह जनसंहारक हथियारों के प्रसार के वित्तपोषण तथा आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने हेतु उपाय विकसित करता है।
3. इसके द्वारा जारी ग्रे सूची में ऐसे देश शामिल हैं जिनका अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण अवरुद्ध है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 3
d. केवल 1 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (Financial Action Task Force- FATF) वर्ष 1989 में पेरिस में G-7 शिखर सम्मेलन के दौरान स्थापित एक अंतर- सरकारी निकाय है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- प्रारंभ में, इसे धन शोधन से निपटने संबंधी उपायों की जाँच एवं मापदंडों को विकसित करने के लिये स्थापित किया गया था। FATF ने अक्तूबर 2001 में धन शोधन के अतिरिक्त आतंकवाद के वित्तीयन से निपटने के प्रयासों को भी अपने अधिकार क्षेत्र में शामिल कर लिया।
    - अप्रैल 2012 में इसने जनसंहारक हथियारों (Weapons of Mass Destruction) के प्रसार हेतु वित्तपोषण से निपटने संबंधी मापदंडों को भी अपने एजेंडा में शामिल कर लिया। **अतः कथन 2 सही है।**
- FATF दो सूचियाँ जारी करता है:
    - **ग्रे लिस्ट:** जो देश आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन जैसी गतिविधियों में लिप्त रहते हैं उन्हें FATF की ग्रे लिस्ट में डाल दिया जाता है। FATF की ग्रे लिस्ट किसी देश के

लिये एक चेतावनी होती है कि उस देश को ब्लैक लिस्ट में डाला जा सकता है।

- **ब्लैक लिस्ट:** जो देश गैर-सहयोगी देश या क्षेत्र (Non-Cooperative Countries or Territories- NCCT) के रूप में जाने जाते हैं उन्हें ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जाता है। किसी देश के ब्लैक लिस्ट में शामिल होने का अर्थ है कि उस देश को अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं द्वारा वित्तीय सहायता मिलनी बंद हो जाएगी। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

51. इस्लामिक सहयोग संगठन (OIC) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह संयुक्त राष्ट्र के बाद दूसरा सबसे बड़ा अंतर-सरकारी संगठन है।
2. भारत OIC के पर्यवेक्षक देशों में से एक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

इस्लामिक सहयोग संगठन (Organisation of Islamic Co-operation-OIC)

- इस्लामिक सहयोग संगठन (Organisation of Islamic Cooperation- OIC) विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अंतर-सरकारी संगठन है। OIC का गठन येरूशलम में स्थित अल-अक्सा मस्ज़िद में आग लगने के बाद 25 सितंबर, 1969 को मोरक्को के रबात् प्रांत में एक शिखर सम्मेलन में किया गया था। **अतः कथन 1 सही है।**
- अंतर-सरकारी संगठन (Inter-Governmental Organization-IGO) पद एक संधि द्वारा स्थापित संगठन को संदर्भित करता है जिसमें दो या दो से अधिक राष्ट्र साझा हितों पर आपसी विश्वास एवं सहयोग हेतु साथ आते हैं। संधि के अभाव में अंतर-सरकारी संगठन (IGO) का विधिक रूप से कोई अस्तित्व नहीं होता है।
    - यह विश्व के विभिन्न देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सद्भावना को बढ़ावा देते हुए इस्लामिक राष्ट्रों और लोगों के हितों की रक्षा एवं संरक्षण का प्रयास करता है।
    - संयुक्त राष्ट्र के एक-चौथाई से अधिक सदस्य देश OIC के सदस्य हैं।
- इसमें 57 सदस्य देश तथा संयुक्त राष्ट्र सहित 12 पर्यवेक्षक देश हैं। **भारत OIC का सदस्य या पर्यवेक्षक राज्य नहीं है। अतः कथन 2 सही नहीं है।**

52. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय (UNISDR) सेंदाई फ्रेमवर्क के संरक्षक के रूप में कार्य करता है।
2. आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढाँचे के लिये गठबंधन (CDRI) का प्रस्ताव भारत द्वारा दिया गया है।
3. UNISDR का मुख्यालय जिनेवा में है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय (UNISDR) सेंदाई फ्रेमवर्क के संरक्षक के रूप में कार्य करता है तथा इसके कार्यान्वयन, निगरानी और प्रगति की समीक्षा के संबंध में राष्ट्रों एवं संगठनों की सहायता करता है।
    - UNISDR के स्ट्रैटेजिक फ्रेमवर्क 2016-2021 में, संधारणीय भविष्य हेतु आपदा जोखिम में महत्त्वपूर्ण कमी लाने के साथ ही सेंदाई फ्रेमवर्क के संरक्षक के रूप में कार्य करने का अधिदेश तथा इसके कार्यान्वयन, निगरानी एवं

प्रगति की समीक्षा में राष्ट्रों एवं संगठनों का समर्थन एवं सहायता करना शामिल है। **अतः कथन 1 सही है।**

- **सेंदाई फ्रेमवर्क (2015-30)** को जापान के सेंदाई (मियागी) में 14-18 मार्च, 2015 तक आयोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर तीसरे संयुक्त राष्ट्र विश्व सम्मेलन में अपनाया गया था।
    - वर्तमान फ्रेमवर्क प्राकृतिक या मानव निर्मित खतरों के साथ-साथ संबंधित पर्यावरणीय, तकनीकी और जैविक खतरों एवं जोखिमों के कारण छोटे तथा बड़े पैमाने की, बारंबार एवं विरल, आकस्मिक तथा मंद आपदाओं के जोखिमों पर भी लागू होता है।
    - सेंदाई फ्रेमवर्क ने **'ह्यूगो फ्रेमवर्क फाॅर एक्शन (HFA) 2005-2015: आपदाओं के प्रति राष्ट्रों और समुदायों में लचीलेपन का निर्माण करना'** का स्थान लिया है।
- भारत ने 23 सितंबर, 2019 को अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढाँचे के लिये एक वैश्विक गठबंधन (**Coalition for Disaster Resilient Infrastructure-CDRI**) की घोषणा की। इसे 35 से अधिक देशों के साथ परामर्श के बाद विकसित किया गया है। **अतः कथन 2 सही है।**
    - CDRI एक संयोजक निकाय के रूप में प्रस्तावित है जो निर्माण, परिवहन, ऊर्जा, दूरसंचार और जल क्षेत्र के पुनरुत्थान के लिये विश्व के सर्वोत्तम अनुभवों एवं संसाधनों का ऐसा पूल तैयार करेगा जिससे इन मुख्य अवसंरचना क्षेत्रों के निर्माण में प्राकृतिक आपदाओं संबंधी जोखिमों की भी गणना की जा सकेगी।
    - CDRI आपदाओं और चरम मौसमी घटनाओं से होने वाले अवसंरचनात्मक और आर्थिक नुकसान में कमी लाने संबंधी उद्देश्य पर आधारित है। इसके अतिरिक्त यह उद्देश्य आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिये सेंदाई फ्रेमवर्क और पेरिस जलवायु समझौते के अनुरूप भी है।
    - CDRI सदस्य देशों को आपदा-रोधी अवसंरचना प्रणालियों में निवेश को सुविधाजनक बनाने और प्रोत्साहित करने के लिये तकनीकी सहायता एवं क्षमता विकास, अनुसंधान एवं ज्ञान प्रबंधन एवं साझेदारी करने की सुविधा प्रदान करेगा।
- सयुंक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1999 में आपदा न्यूनीकरण के लिये अंतर्राष्ट्रीय रणनीति (ISDR) अपनाई और इसका कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिये इसके सचिवालय के रूप में UNISDR की स्थापना की। इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड में है। **अतः कथन 3 सही है।**

53. हाल ही में समाचारों में रहे 'TIR कन्वेंशन' का संबंध किससे है?

a. धरोहर संरक्षण से
b. प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण से
c. अंतर्राष्ट्रीय पारगमन प्रणाली से
d. ओज़ोन क्षयकारी पदार्थ से

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- TIR कारनेट्स के अधीन **माल के अंतर्राष्ट्रीय परिवहन पर सीमा शुल्क कन्वेंशन, 1975** (TIR Convention यूरोप के लिये संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग (UNECE) के तत्त्वावधान में एक अंतर्राष्ट्रीय पारगमन प्रणाली है जो कन्वेंशन में शामिल पक्षकारों के बीच माल की निर्बाध आवाजाही की सुविधा प्रदान करती है। वर्तमान में इस कन्वेंशन में 70 पार्टियाँ शामिल हैं जिनमें यूरोपीय संघ भी शामिल है।
- संयुक्त राष्ट्र के ट्रांसपोर्टेशन इंटरनेशनक्स राउटर्स (TIR) कंवेंशन के तहत पहली खेप

ईरान के चाबहार पोर्ट के माध्यम से अफगानिस्तान से भारत पहुँची है।

- 15 जून, 2017 को भारत 71वें सदस्य के रूप में TIR कंवेंशन में शामिल हुआ।
    - TIR एक बहुपक्षीय संधि है जो माल को एक TIR कारनेट में उल्लिखित करने और लदे हुए डिब्बों को सील करने की अनुमति देता है।
    - FICCI को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) द्वारा इसके संचालन हेतु राष्ट्रीय निर्गम और गारंटी संघ के रूप में नियुक्त किया गया है।
    - विश्व भर में इस प्रणाली का प्रबंधन जिनेवा स्थित अंतर्राष्ट्रीय सड़क परिवहन संघ (IRU), और यूरोप के लिये संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग (UNECE) द्वारा किया जाता है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

54. अक्सर समाचारों में देखा जाने वाला 'नॉरमैंडी फॉर्मेट' शब्द किससे संबंधित है?

a. राजनयिक समूह
b. क्रिप्टो-मुद्रा
c. साइबर हमला
d. लघु उपग्रह

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- 'नॉरमैंडी फॉर्मेट' को 'नॉरमैंडी संपर्क समूह' या 'नॉरमैंडी फोर' (Normandy Four) के रूप में भी जाना जाता है। यह पूर्वी यूक्रेन में युद्ध का समाधान निकालने के लिये चार देशों- जर्मनी, रूस, यूक्रेन और फ्राँस के वरिष्ठ प्रतिनिधियों का एक राजनयिक समूह है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

55. हाल ही में समाचारों में रहे 'क्रोनोस' और 'हॉप्लाइट' शब्दों का संबंध किससे है?

a. क्विपर बेल्ट के एक क्षुद्रग्रह से
b. रूस द्वारा विकसित हाइपरसोनिक मिसाइल से
c. यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के नए मिशन से
d. ट्रोजन्स प्रोग्राम से

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- क्रोनोस और हॉप्लाइट एक प्रकार के ट्रोजन हैं। यह एक ऐसा प्रोग्राम है जो कुछ ऐसा होने का दिखावा करता है जो वह नहीं है।
- ट्रोजन आमतौर पर ई-मेल अटैचमेंट के माध्यम से फैलते हैं और एक बार डाउनलोड होने के बाद यूज़र के वित्तीय डेटा, ईमेल और पासवर्ड जैसी संवेदनशील जानकारी चुरा सकते है।
    - क्रोनोस पहली बार वर्ष 2014 में एक रूसी अंडरग्राउंड फोरम पर ऑनलाइन दिखाई दिये थे। **अतः विकल्प (d) सही है।**

56. 'धौलावीरा' के संबंध में निम्नलिखित में से कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?.

1. इसका संबंध हड़प्पा सभ्यता के विकसित चरण से था।
2. उत्खनन से प्राप्त साक्ष्यों के अनुसार यह एक ग्रामीण स्थल था।
3. यह कच्छ के रण में अवस्थित है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- कच्छ के रण में खादिर द्वीप (Khadir island) पर स्थित धौलावीरा शहर का संबंध हड़प्पा सभ्यता के विकसित चरण से है। वर्तमान में कठोर शुष्क भूमि पर किलेबंद चतुर्भुज के रूप में स्थापित यह शहर 1200 वर्षों (3000-1800 ईसा पूर्व) तक एक शहरी केंद्र था। **अतः कथन 1 सही है।**
- धोलावीरा का उत्खनन स्थल हड़प्पाई लोगों के **समानुपातिक नगर नियोजन की उच्च संगठित प्रणाली**, कार्यात्मक क्षेत्रों का अंतर्संबंध,

सड़क-पैटर्न और एक कुशल जल संरक्षण प्रणाली विकसित करने के कौशल को दर्शाता है जिससे वे 1200 से भी अधिक वर्षों तक इस कठोर गर्म शुष्क जलवायु में अपनी उत्तरजीविता बनाए रख सके। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

- यह स्थल भारत के गुजरात राज्य के कच्छ ज़िले में धौलावीरा गाँव के पास स्थित है, जिसके कारण इसे धौलावीरा नाम दिया गया।
    - 250 एकड़ क्षेत्र में फैला धोलावीरा कच्छ के रण में खादिर द्वीप पर स्थित है। यह स्थल भारत में संरक्षित कच्छ वन्यजीव अभयारण्य का हिस्सा है। कर्क रेखा धोलावीरा स्थल से होकर गुजरती है। **अतः कथन 3 सही है।**
- हाल ही में गुजरात के कच्छ के खटिया गाँव में एक खुदाई के दौरान प्रारंभिक हड़प्पा काल से संबंधित लगभग 5,000 वर्ष पुरानी कलाकृतियाँ मिलने के बाद ये स्थल चर्चा में रहे।

57. स्थानीय स्वशासन की सर्वोत्तम व्याख्या यह की जा सकती है कि यह एक प्रयोग है-

a. संघवाद का
b. लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का
c. प्रशासकीय प्रत्यायोजन का
d. प्रत्यक्ष लोकतंत्र का

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- लोकतंत्र का अर्थ है सत्ता का विकेंद्रीकरण और लोगों को अधिक से अधिक शक्ति देना। स्थानीय स्वशासन को विकेंद्रीकरण और सहभागी लोकतंत्र के उपकरण के रूप में देखा जाता है।
- सामुदायिक विकास कार्यक्रम (1952) और राष्ट्रीय विस्तार सेवा (1953) के कार्यकरण की जाँच करने और उनके बेहतर संचालन हेतु उपायों के संबंध में सुझाव देने के लिये भारत सरकार ने जनवरी 1957 में बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त की।
- समिति ने नवंबर 1957 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और 'लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण' को मूर्त रूप प्रदान करने हेतु पंचायती राज व्यवस्था या स्थानीय स्वशासन इकाईयों की स्थापना का सुझाव दिया। **अत: विकल्प (b) सही है।**

58. पंचायती राज व्यवस्था का मूल उद्देश्य निम्नलिखित में से क्या सुनिश्चित करना है?

1. विकास में जन-भागीदारी
2. राजनीतिक जवाबदेही
3. लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण
4. वित्तीय संग्रहण

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1, 2 और 3
b. केवल 2 और 4
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- पंचायती राज प्रणाली का सबसे मूल उद्देश्य विकास और लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है।
- वित्तीय संग्रहण पंचायती राज का मूल उद्देश्य नहीं है, हालाँकि इसमें स्थानीय सरकार को वित्त और संसाधन हस्तांतरित करने की व्यवस्था की गई है।
- पंचायती राज संस्थाओं की स्थापना से स्वतः राजनीतिक जवाबदेही नहीं आती। **अत: विकल्प (c) सही है।**

59. सरकार द्वारा लागू अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत विस्तार (PESA) अधिनियम, 1996 में कौन-सा एक उसके उद्देश्य के रूप में अभिज्ञात नहीं है?

a. स्व-शासन प्रदान करना।
b. पारंपरिक अधिकारों को मान्यता देना।
c. जनजातीय क्षेत्रों में स्वायत्त क्षेत्रों का निर्माण करना।
d. जनजातीय लोगों को शोषण से मुक्त करना।

उत्तर : (c)

व्याख्या:

- सरकार ने आदिवासियों के लिये स्वशासन के विभिन्न आयामों, संवैधानिक आवश्यकताओं की जाँच करने और संविधान के नौवें भाग के

प्रावधानों को अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार देने के संबंध में सिफारिशें करने के लिये वर्ष 1994 में दिलीप सिंह भूरिया की अध्यक्षता में एक समिति गठित की, जिसे 'भूरिया समिति' कहा जाता है।

- भूरिया समिति की रिपोर्ट के आधार पर, संसद ने संविधान के भाग IX (यानी पंचायत) को कुछ संशोधनों और अपवादों के साथ पाँचवी अनुसूची के क्षेत्रों में विस्तारित करने के लिये पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम, 1996 (PESA) को अधिनियमित किया।
- संविधान की छठी अनुसूची जनजातीय क्षेत्रों के स्वायत्त क्षेत्रों के निर्माण से संबंधित है जो राज्यपाल को उन क्षेत्रों को बनाने, व्यवस्थित करने या कम करने का अधिकार देता है, जबकि **PESA पाँचवीं अनुसूची के तहत वर्णित क्षेत्रों में ज़मीनी स्तर की संस्था (ग्राम सभा) के जनादेश में सुधार से संबंधित है। अत: विकल्प (c) सही है।**
- राज्यों में PESA के कार्यान्वयन के लिये पंचायती राज मंत्रालय नोडल मंत्रालय है।
    - PESA ने इसके उद्देश्य को साकार करने हेतु ग्राम सभाओं को सशक्त बनाया है , जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के प्रत्येक व्यक्ति (मतदाता सूची में शामिल) को शामिल किया गया है।
    - राज्य विधानमंडल को भी भारतीय संविधान के भाग IX में निहित त्रि-स्तरीय शासन प्रणाली के सिद्धांत तथा प्रथागत कानून, सामाजिक एवं धार्मिक प्रथाओं तथा सामुदायिक संसाधनों के पारंपरिक प्रबंधन की प्रथाओं के अनुरूप होना था और यह सुनिश्चित करना था कि ग्राम सभा का जनादेश सशक्त हो।
- पंचायती राज संस्थाओं को दिये गए कार्यकारी प्रकार्यों में सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिये योजनाओं, कार्यक्रमों और परियोजनाओं के अनुमोदन तथा पंचायत द्वारा धनराशि के उपयोग हेतु प्रमाण-पत्र जारी करना शामिल हैं।
- वनोपज, मादक द्रव्यों की बिक्री, ग्रामीण हाट-बाज़ारों के संगठन और खान क्षेत्रों के विनियमन आदि मामले ग्राम सभाओं और पंचायतों के अंतर्गत आते हैं।

60. यदि किसी पंचायत को भंग कर दिया जाता है, तो कितनी अवधि में वापस चुनाव होंगे?

a. 1 माह

b. 3 माह

c. 6 माह

d. 1 वर्ष

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- संविधान के भाग IX के अंतर्गत अनुच्छेद 243E(1) के अनुसार, प्रत्येक पंचायत, जब तक तत्कालीन प्रवृत कानून के अंतर्गत विघटित नहीं की जाती, तब तक उसकी पहली बैठक के लिये नियुक्त की गई तारीख से पाँच वर्ष तक जारी रहेगी, इससे अधिक नहीं।
- अनुच्छेद 243E(3)(b) यह कहता है कि पंचायत के विघटित होने की दशा में इसके विघटित होने की तिथि से छह माह के भीतर चुनाव कराना आवश्यक है।
- परंतु जहाँ शेष अवधि, जिसके लिये कोई विघटित पंचायत बनी रहती है, वह 6 माह से कम है तो वहाँ इस अवधि के लिये चुनाव कराना आवश्यक नहीं होगा।

अत: विकल्प (c) सही है।

61.भारत के निर्वाचन आयोग के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही *नहीं* है/हैं?

a. यह एक स्वायत्त संवैधानिक निकाय है।

b. संसद और राज्य विधानसभाओं के सदस्यों की अयोग्यता के मामले में इसके पास सलाहकार क्षेत्राधिकार होता है।

c. वर्ष 1950 में निर्वाचन आयोग को बहु-सदस्यीय निकाय बनाया गया।

d. मुख्य निर्वाचन आयुक्त की सिफारिश पर ही अन्य निर्वाचन आयुक्तों को पद से हटाया जाता है।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- निर्वाचन आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को की गई थी।
- संविधान के अनुच्छेद 324 से 329 में निर्वाचन आयोग और सदस्यों की शक्तियों, कार्य, कार्यकाल, पात्रता आदि से संबंधित प्रावधान है।
- भारत का निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त संवैधानिक निकाय है जो भारत में संघ और राज्य चुनाव प्रक्रियाओं का संचालन व निर्देशन करता है।
- **निर्वाचन आयोग के कार्य:**
    - भारत का निर्वाचन आयोग लोकसभा, राज्यसभा और राज्य विधानसभाओं तथा राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति के पदों हेतु निर्वाचन का संचालन, निर्देशन और नियंत्रण करता है।
    - आयोग का सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य आवधिक और समय पर आम चुनाव अथवा उप-चुनाव कराने के लिये निर्वाचन की तिथि और समय सारणी निर्धारित करना है।
    - **यह निर्वाचक नामावली (Voter List) तैयार करने के साथ-साथ मतदाता पहचान पत्र (EPIC) भी जारी करता है।**
    - यह मतदान केंद्रों का चयन एवं मतदाताओं के लिये मतदान केंद्रों का निर्धारण, मतगणना केंद्रों का निर्धारण, मतदान केंद्रों तथा मतगणना केंद्रों के आसपास की व्यवस्थाओं से संबंधित सभी अन्य मामले देखता है।
    - यह **राजनीतिक दलों को मान्यता प्रदान करता है तथा उनसे संबंधित विवादों को निपटाने के साथ-साथ उन्हें निर्वाचन चिह्न आवंटित** करता है।
    - आयोग के पास निर्वाचन के बाद **संसद और राज्य विधानसभाओं के सदस्यों की अयोग्यता के निर्धारण संबंधी मामलों में सलाहकार क्षेत्राधिकार भी होता है।**
    - आयोग निर्वाचन के दौरान राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिये 'आदर्श आचार संहिता' लागू करता है, ताकि कोई भी व्यक्ति अनुचित व्यवहार या कार्य न करे या सत्ता में मौजूद लोगों द्वारा शक्तियों का दुरुपयोग न किया जाए।
    - यह सभी राजनीतिक दलों के लिये प्रति उम्मीदवार चुनाव अभियान खर्च की सीमा निर्धारित करता है और उसकी निगरानी भी करता है।
- मूल रूप से आयोग में एक निर्वाचन अधिकारी होता था, लेकिन **चुनाव आयुक्त संशोधन अधिनियम 1989 के बाद से यह एक बहु-सदस्यीय संस्था के रूप में कार्य कर रहा है।** आयोग में एक मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दो अन्य निर्वाचन आयुक्त होते हैं।
- एस.एस. धनोआ बनाम भारत संघ (1991) मामले में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि "मुख्य चुनाव आयुक्त का पद **'समानों में प्रथम (Primus Inter Pares)'** नहीं है, लेकिन स्पष्ट रूप से उसे एक उच्चतर स्थित पर रखा जाना अभीष्ट है।
    - टी. एन. शेषन बनाम भारत संघ (1995) में उच्चतम न्यायालय ने माना कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्त समान हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को निर्वाचन आयुक्त को हटाने की सिफारिश करने की शक्ति आयुक्तों के संरक्षण के लिये दी गई है, न कि आयुक्तों के विरुद्ध प्रयोग

करने के लिये। मुख्य निर्वाचन आयुक्त स्वतः संज्ञान से इसका प्रयोग नहीं कर सकता क्योंकि वह अन्य आयुक्तों के समान है।

- **अतः विकल्प (c) सही है।**

62. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. केंद्रीय सूचना आयोग (CIC) एक संवैधानिक निकाय है।
2. मुख्य सूचना आयुक्त का कार्यकाल संसद द्वारा निर्धारित किया जाता है।
3. मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- केंद्रीय सूचना आयोग की स्थापना केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2005 में की गई थी। इसकी स्थापना सूचना का अधिकार अधिनियम (2005) के अंतर्गत एक शासकीय राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से की गई थी। इस प्रकार यह एक सांविधिक निकाय है न कि संवैधानिक। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
  - केंद्रीय सूचना आयोग (Central Information Commission- CIC) एक उच्च स्तरीय स्वतंत्र निकाय है, जो अपने पास दर्ज शिकायतों की जाँच करता है एवं उनका निराकरण करता है। यह केंद्र सरकार और केंद्रशासित प्रदेशों के अधीन कार्यरत कार्यालयों, वित्तीय संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि से संबंधित शिकायतों एवं अपीलों की सुनवाई करता है।
- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में मुख्य सूचना आयुक्त (CIC) और सूचना आयुक्तों (ICs) के कार्यकाल, सेवा और वेतन की शर्तों को केंद्रीय और राज्य स्तरो पर मूल नियमों में निर्दिष्ट किया गया है।
  - सूचना का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में संशोधन किया गया। इसके द्वारा उपर्युक्त प्रावधानों को हटा दिया गया और कहा कि केंद्र सरकार नियमों द्वारा वेतन और कार्यकाल को अधिसूचित करेगी।
  - सूचना के अधिकार नियम, 2019 को 24 अक्टूबर, 2019 को अधिसूचित किया गया था। जिसमें केंद्रीय और राज्य स्तर पर मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों का कार्यकाल, सेवा और वेतन की शर्तें निर्धारित की गई। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - **मुख्य सुचना आयुक्त और सुचना आयुक्त (केंद्रीय और राज्य स्तर पर) का कार्यकाल तीन वर्ष होगा।**
- आयोग में एक मुख्य सूचना आयुक्त होता है तथा अधिकतम दस सूचना आयुक्त होते हैं। इन सभी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक समिति की सिफारिश पर की जाती है जिसमें अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री , लोकसभा में विपक्ष का नेता एवं प्रधानमंत्री द्वारा मनोनीत एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री होता है। **अतः कथन 3 सही है।**
- इस आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य बनने वाले सदस्यों को सार्वजनिक जीवन का पर्याप्त अनुभव होना चाहिये तथा उन्हें विधि, विज्ञान और तकनीकी, सामाजिक सेवा, प्रबंधन, पत्रकारिता, जनसंचार या प्रशासन आदि का विशिष्ट अनुभव होना चाहिये।

63. 'दलबदल विरोधी कानून' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 52वें संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान में दसवीं अनुसूची को जोड़ा गया।

2. दसवीं अनुसूची के तहत निरर्हता न्यायिक समीक्षा के अधीन नहीं है।
3. किसी सदन के नामित सदस्य को अयोग्य ठहराया जा सकता है यदि वह सदन में अपना पद लेने के छह माह के भीतर किसी भी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- 52वाँ संशोधन अधिनियम 1985 संसद और राज्य विधायिका के सदस्यों द्वारा एक राजनीतिक दल से दूसरे दल में दलबदल के आधार पर अयोग्यता के निर्धारण का प्रावधान करता है।
  - इसके लिये संविधान के चार अनुच्छेदों (101, 102, 190 और 191) में परिवर्तन किये गए और संविधान में एक नई अनुसूची (दसवीं अनुसूची) जोड़ी गई। इस अधिनियम को सामान्यतः दलबदल विरोधी कानून के रूप में जाना जाता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- दलबदल के आधार पर निरर्हता निम्नलिखित दो मामलों में लागू नहीं होती है-
  - यदि कोई सदस्य किसी अन्य दल के साथ अपने दल के विलय के परिणामस्वरूप दल से बाहर हो जाता है। दल का विलय तब होता है जब पार्टी के दो-तिहाई सदस्य ऐसे विलय के लिये सहमत होते हैं।
  - यदि कोई सदस्य सदन का पीठासीन अधिकारी के रूप में चुने जाने के बाद स्वेच्छा से अपने दल से बाहर चला जाता है या कार्यकाल के बाद अपने दल की सदस्यता फिर से ग्रहण कर लेता है। यह छूट इस पद की गरिमा और निष्पक्षता को देखते हुए प्रदान की गई है।
- विधायक दल के एक-तिहाई सदस्यों द्वारा दल-विघटन के कारण अयोग्यता से छूट से संबंधित दसवीं अनुसूची के प्रावधान को 2003 के 91वें संशोधन अधिनियम द्वारा हटा दिया गया है।
  - विधायक दल के एक-तिहाई सदस्यों द्वारा विभाजन के मामले में अयोग्यता से छूट से संबंधित दसवीं अनुसूची के प्रावधान को वर्ष 2003 के 91वें संशोधन अधिनियम द्वारा हटा दिया गया है।
  - कानून एक दल के अन्य दल में विलय की अनुमति देता है, बशर्ते कम-से-कम दो-तिहाई सदस्य विलय के पक्ष में हों। ऐसी स्थिति में न तो वे सदस्य जो विलय का निर्णय लेते हैं और न ही मूल पार्टी के साथ रहने वालों को अयोग्यता का सामना करना पड़ेगा।
- दलबदल से उत्पन्न निरर्हता से संबंधित किसी भी प्रश्न का निपटारा सदन के पीठासीन अधिकारी द्वारा किया जाता है। मूल रूप से यह अधिनियम पीठासीन अधिकारी के निर्णय को अंतिम मानता है और इसे किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है।।
  - हालाँकि किहोतो होलोहन बनाम ज़ाचिल्हू वाद (1993) में उच्चतम न्यायालय ने यह उपबंध इस आधार पर असंवैधानिक घोषित कर दिया कि यह उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार का अतिक्रमण करता है।
  - इसमें कहा गया कि जब पीठासीन अधिकारी दसवीं अनुसूची के तहत निरर्हता संबंधी किसी प्रश्न पर निर्णय देता है तब वह एक अधिकरण की तरह कार्य करता है। अतः किसी भी

अन्य अधिकरण की तरह उसके निर्णय की भी दुर्भावना, दुराग्रह, संवैधानिक जनादेश और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के आधार पर न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

- किसी सदन का मनोनीत सदस्य उस स्थिति में सदन का सदस्य बने रहने के लिये अयोग्य हो जाता है यदि वह सदन में अपना पद ग्रहण करने की तिथि से छह महीने की समाप्ति के बाद किसी भी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। इसका अर्थ है कि यदि वह सदन में अपना पद लेने के छह महीने के भीतर किसी भी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है तो उसे दलबदल के आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जाएगा। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

64. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा संविधान में अधिकरणों की व्यवस्था की गई थी।
2. अधिकरणों के निर्णय के विरुद्ध उच्च न्यायालयों में अपील नहीं की जा सकती।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही *नहीं* है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- मूल संविधान में अधिकरण के संबंध में उपबंध नहीं थे। इन्हें भारतीय संविधान में 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा शामिल किया गया है। **अतः कथन 1 सही है।**
  - **अनुच्छेद 323-क** प्रशासनिक अधिकरण से संबंधित है।
  - **अनुच्छेद 323-ख** अन्य मामलों के लिये अधिकरणों से संबंधित है।
- अनुच्छेद **323-ख** के तहत, संसद तथा राज्य विधानसभाओं को निम्नलिखित मामलों के संबंध में अधिकरण की स्थापना करने का अधिकार है:
  - कर संबंधी
  - विदेशी मुद्रा, आयात और निर्यात
  - उद्योग और श्रम
  - भूमि सुधार
  - नगर संपत्ति की अधिकतम सीमा
  - संसद व राज्य विधायिका के लिये निर्वाचन
  - खाद्य सामग्री
  - किराया और किरायेदारी अधिकार
- मूल रूप से किसी ट्रिब्यूनल के आदेश के विरुद्ध केवल उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की जा सकती थी। लेकिन उच्चतम न्यायालय ने एल. चन्द्रकुमार बनाम भारत संघ (1997) मामले में कहा कि उच्च न्यायालय को न्यायिक समीक्षा से वंचित करना असंवैधानिक है क्योंकि न्यायिक समीक्षा संविधान के मूल ढाँचे का भाग है।
- वर्तमान में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण के आदेशों के विरुद्ध संबंधित उच्च न्यायालय की खंडपीठ में याचिका दायर की जा सकती है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- **प्रशासनिक अधिकरणों की विशेषताएँ**
  - प्रशासनिक अधिकरण क़ानून/संविधि द्वारा स्थापित किये जाते हैं।
  - एक प्रशासनिक अधिकरण शुद्ध प्रशासनिक प्रकृति से अलग अर्द्ध-न्यायिक कार्य करते हैं।
  - प्रशासनिक अधिकरण प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करते हैं।
  - ये पारदर्शी और निष्पक्ष रूप से कार्य करते हैं।
  - एक प्रशासनिक अधिकरण नागरिक प्रक्रिया और साक्ष्य के सख्त नियमों का पालन करने हेतु बाध्य नहीं है।

65. वित्त आयोग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह देश में राजकोषीय संघवाद की पुष्टि करता है।
2. वित्त आयोग का अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश होना चाहिये।
3. 15वें वित्त आयोग को वर्ष 2011 की जनगणना के आँकड़ों का उपयोग करने का अधिदेश दिया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- राजकोषीय संघवाद संघीय व्यवस्था की विभिन्न इकाइयों अर्थात् संघ, राज्य और स्थानीय निकायों के बीच कराधान एवं सार्वजनिक व्यय के बँटवारे संबंधी पहलुओं और उत्तरदायित्वों के विवेचन पर आधारित अवधारणा है।
- वित्त आयोग राजकोषीय संघवाद पर केंद्रित एक संवैधानिक निकाय है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280 में वित्त आयोग की व्यवस्था एक अर्द्ध-न्यायिक निकाय के रूप में की गई है।
    - इसका गठन भारत के राष्ट्रपति द्वारा हर पाँचवें वर्ष या आवश्यकतानुसार उससे पहले भी किया जा सकता है।
- इसके मुख्य कार्य इस प्रकार हैं:
    - संघ और राज्य सरकारों के वित्त की स्थिति का मूल्यांकन करना।
    - संघ और राज्य के बीच करों के बँटवारे की सिफारिश करना।
    - यह राज्यों के बीच करों के वितरण हेतु सिद्धांतों को निर्धारित करता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- संविधान, संसद को इन सदस्यों की योग्यता और चयन विधि का निर्धारण करने हेतु अधिकृत करता है। वित्त आयोग में एक अध्यक्ष और 4 अन्य सदस्य होते हैं जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। उनका कार्यकाल राष्ट्रपति के आदेश के तहत तय होता है।
- आयोग के अध्यक्ष को सार्वजनिक मामलों का अनुभवी होना चाहिये और चार अन्य सदस्यों को निम्नलिखित में से चुना जाता है:
    - उच्च न्यायालय का न्यायाधीश या इस पद के लिये योग्य व्यक्ति।
    - ऐसा व्यक्ति जिसे भारत के लेखा एवं वित्त मामलों का विशेष ज्ञान हो।
    - ऐसा व्यक्ति जिसे प्रशासन और वित्तीय मामलों का व्यापक अनुभव हो।
    - ऐसा व्यक्ति जो अर्थशास्त्र का विशेष ज्ञाता हो। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- 15वें वित्त आयोग का गठन वर्ष 2017 में एन. के. सिंह की अध्यक्षता में किया गया था।
    - 14वें वित्त आयोग के कार्यकाल तक वर्ष 1971 की जनगणना के आँकड़ों का प्रयोग किया गया था। परंतु 15वें वित्त आयोग को वर्ष 2011 की जनगणना के आँकड़ों का उपयोग करने का अधिदेश दिया गया है। ऐसे राज्य जो दशकों से अपनी आबादी को नियंत्रित करने के लिये प्रयासरत हैं उनके द्वारा इसका विरोध किया गया था। **अतः कथन 3 सही है।**

66. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसे 103वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2018 द्वारा संवैधानिक दर्जा दिया गया है।
2. यह सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिये प्रदान किये गए सुरक्षा उपायों से संबंधित सभी मामलों की जाँच और निगरानी करता है।
3. इसके अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति 5 वर्ष की अवधि के लिये की जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 1 और 3

d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

102वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2018 द्वारा सांविधिक संस्था राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया है। संशोधन के अंतर्गत संविधान में अनुच्छेद 338 (ख) को शामिल किया गया जिसमें सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिये आयोग की स्थापना का प्रावधान है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- **संरचना:** आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और तीन अन्य सदस्य होते हैं। इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर एवं मुहर के माध्यम से की जाती है।
    - **अध्यक्ष:** इसकी नियुक्ति सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों से संबंधित प्रतिष्ठित सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्त्ताओं में से की जाती है।
    - **उपाध्यक्ष और सदस्य:** ऐसे पदों पर सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिये नि:स्वार्थ सेवा का रिकॉर्ड रखने वाले योग्य, सत्यनिष्ठ और लब्धप्रतिष्ठ व्यक्तियों को नियुक्त किया जाएगा।
        - इनमें से कम-से-कम दो सदस्य सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों से संबंधित लोगों में से नियुक्त किये जाएंगे।
    - कम-से-कम एक सदस्य के रूप में महिला की नियुक्त की जाएगी।
- **त्यागपत्र और निष्कासन:** अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सदस्य अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को सौंपते हैं।
- आयोग के पास अपने कार्य-संचालन से संबंधित प्रक्रियाओं को विनियमित करने की शक्ति है।
- आयोग के पास दीवानी न्यायालय से संबंधित सभी शक्तियाँ हैं।
- **आयोग के कार्य**
    - सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को प्रदान की गई सुरक्षा से संबंधित सभी मामलों की जाँच और निगरानी करना। **अतः कथन 2 सही है।**
    - सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के अधिकारों की वंचना तथा सुरक्षा से संबंधित शिकायतों की जाँच और अनुसंधान करना।
    - सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के सामाजिक-आर्थिक विकास में सहभागिता करना तथा संघ एवं किसी भी राज्य के तहत उनके विकास की प्रगति का मूल्यांकन करना एवं सलाह देना।
- **पदावधि:** आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की **पदावधि उनके पद ग्रहण की तिथि से तीन वर्ष तक के लिये होगी।** वे दो से अधिक कार्यकाल के लिये नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

67. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. यह केवल संसद के प्रति उत्तरदायी है।

b. यह केंद्र और राज्य सरकारों दोनों के लेखाओं का संकलन और प्रबंधन करता है।

c. यह भारत की संचित निधि से धन के निर्गमन को नियंत्रित करता है।

d. यह अपनी वार्षिक रिपोर्ट संसद में प्रस्तुत करता है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

भारत का नियंत्रक और महालेखा परीक्षक

भारत के संविधान के अनुच्छेद 148 में नियंत्रक और महालेखा परीक्षक पद का प्रावधान है जिसकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर एवं मुहर के माध्यम से होती

है तथा इसे उसी तरह हटाया जा सकता है जैसे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है।

- CAG का कार्यालय भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत भारत के महालेखा परीक्षक के पद पर आधारित है।
- CAG वित्तीय प्रशासन के क्षेत्र में भारत के संविधान और संसद के कानूनों को बनाए रखने के लिये उत्तरदायी है।
  - वह राज्य सरकारों के लेखाओं का संकलन और प्रबंधन करता है। वर्ष 1976 में केंद्र सरकार हेतु लेखापरीक्षा से लेखाओं के अलग होने अर्थात् लेखाओं के विभागीयकरण के बाद इसे केंद्र सरकार के लिये लेखाओं के संकलन और रख-रखाव से संबंधित कार्यों से मुक्त कर दिया गया।
- भारतीय संविधान CAG को नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के रूप में बताता है। परंतु, व्यावहारिक रूप में CAG केवल एक महालेखा परीक्षक की भूमिका निभा रहा है, न कि एक नियंत्रक की।
  - संचित निधि से धन के निर्गमन पर CAG का कोई अधिकार नहीं है। कार्यपालिका CAG की स्वीकृति के बिना ही राजकोष से धन निकाल सकती है।
- CAG राष्ट्रपति को तीन लेखा परीक्षा रिपोर्ट सौंपता है- विनियोग लेखाओं पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट, वित्त लेखाओं पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट और सार्वजनिक उपक्रमों पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट। उसके बाद राष्ट्रपति इन विवरणों को संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखवाता है।
- कोई भी मंत्री संसद के दोनों सदनों में CAG का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता है और न ही कोई मंत्री उसके द्वारा किये गए किसी कार्य की ज़िम्मेदारी ले सकता है।
- CAG संसद का एजेंट है और वह संसद की ओर से व्यय का लेखा-जोखा करता है। इसलिये, वह केवल संसद के प्रति ज़िम्मेदार है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

68. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. केवल भारत का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश ही NHRC का अध्यक्ष हो सकता है।
2. अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति 5 वर्ष के लिये की जाती है।
3. मानव अधिकारों के उल्लंघन के मामले में पूछताछ के लिये यह स्वत: संज्ञान ले सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 3
d. केवल 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (National Human Rights Commission-NHRC) एक सांविधिक निकाय है जिसकी स्थापना मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के तहत 12 अक्तूबर, 1993 को की गई थी।
  - यह निकाय देश में मानव अधिकारों अर्थात् जीवन से संबंधित अधिकार, स्वतंत्रता, संविधान द्वारा प्रदत्त समानता और व्यक्ति की गरिमा या अंतर्राष्ट्रीय संविदा में सन्निहित तथा भारत में न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय अधिकारों का प्रहरी है।
- मानव अधिकारों का संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2019 की मुख्य विशेषताएँ:
  - **भारत के मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त किसी ऐसे व्यक्ति को भी आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया जा सकता है, जो उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश रहा हो। अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- **यह NHRC और राज्य आयोगों के अध्यक्ष और सदस्यों के कार्यकाल को पाँच वर्ष से घटाकर तीन वर्ष करता है और ये पुन: नियुक्ति के भी पात्र होंगे। अतः कथन 2 सही नहीं है।**

- **कार्य:**
    - न्यायालय में लंबित मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप संबंधी किसी भी कार्यवाही में हस्तक्षेप करना।
    - जेल व बंदीगृहों में कैदियों की स्थिति का अध्ययन करना और इनके बारे में सिफारिशें करना।
    - मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिये बने संवैधानिक व अन्य कानूनी सुरक्षा उपायों की समीक्षा करना तथा इनके प्रभावी कार्यान्वयन के लिये उपायों की सिफारिशें करना।
    - मानवाधिकार से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय संधियों व दस्तावेज़ों का अध्ययन करना और उनके प्रभावशाली क्रियान्वयन के लिये सिफारिशें करना।
    - मानवाधिकार के क्षेत्र में अनुसंधानों को प्रोत्साहित करना।
    - **मानवाधिकारों के उल्लंघन की जाँच करना अथवा किसी लोक सेवक के समक्ष प्रस्तुत मानवाधिकार उल्लंघन के अभ्यावेदन , जिसकी वह अवहेलना करता हो, की जाँच स्व-प्रेरणा या न्यायालय के आदेश से करना। अतः कथन 3 सही है।**

69. बोर्नियो द्वीप के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह द्वीप राजनीतिक रूप से तीन देशों में विभाजित है।
2. इंडोनेशिया ने हाल ही में बोर्नियो द्वीप पर अपनी राजधानी स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है।
3. यह द्वीप भूमध्यरेखीय क्षेत्र में अवस्थित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- बोर्नियो द्वीप प्रशांत महासागर के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित है। ग्रीनलैंड और न्यू गिनी के बाद यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा द्वीप है।
    - यह द्वीप उत्तर-पश्चिम में दक्षिण चीन सागर से, उत्तर-पूर्व में सुलु सागर से, पूर्व में सेलेब्स सागर (**Celebes Sea**) से और दक्षिण में जावा सागर से घिरा हुआ है।
- बोर्नियो द्वीप राजनीतिक रूप से तीन देशों इंडोनेशिया, मलेशिया और ब्रुनेई में विभाजित है। इंडोनेशिया इस द्वीप का सबसे बड़ा राजनीतिक घटक है। **अतः कथन 1 सही है।**
- इंडोनेशिया अपनी राजधानी जकार्ता को अपने सबसे समृद्ध द्वीप जावा से बोर्नियो के वन द्वीप में स्थानांतरित कर रहा है। **अतः कथन 2 सही है।**
- मकासर जलडमरूमध्य बोर्नियो को पूर्व और दक्षिण-पूर्व में सेलेब्स (सुलावेसी) के द्वीप से अलग करता है और पश्चिम में बोर्नियो एवं सुमात्रा द्वीप के मध्य उथले समुद्र व जलडमरूमध्य की एक श्रृंखला स्थित है।
- भूमध्यरेखा बोर्नियो द्वीप के इंडोनेशियाई हिस्से से होकर गुज़रती है। यहाँ की जलवायु विषुवतरेखीय है- इसके गर्म और आर्द्र दो स्पष्ट भाग है। अक्तूबर और मार्च के बीच एक आर्द्र मानसून अवधि और शेष वर्ष के लिये गर्मियों की अपेक्षाकृत अधिक शुष्क, शांत अवधि होती है। यहाँ औसत वार्षिक वर्षा लगभग 150 इंच (3,800 मिमी) होती है। **अतः कथन 3 सही है।**

70. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	विवादित क्षेत्र	**शामिल देश**
1.	गाजा पट्टी	इज़राइल और मिस्र
2.	वेस्ट बैंक	इज़राइल और सीरिया
3.	गोलन हाइट्स	इज़राइल और जॉर्डन

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 1 और 2

c. केवल 2 और 3

d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- जून 1967 में इज़राइल और अरब राष्ट्रों- मिस्र, सीरिया तथा जॉर्डन के बीच छह दिवसीय युद्ध हुआ था। इज़राइल और उसके पड़ोसी राज्यों के मध्य वर्षों के राजनीतिक टकराव और झड़पों के बाद इज़राइल ने हवाई हमला कर दिया जिसने मिस्र और उसके सहयोगियों की वायु सेनाओं को अशक्त बना दिया।
- इसके बाद इज़राइल ने जमीनी कार्यवाही करते हुए **मिस्र के सिनाई प्रायद्वीप और गाजा पट्टी, जॉर्डन के वेस्ट बैंक तथा पूर्वी येरुशलम व सीरिया के गोलन हाइट्स क्षेत्र** पर कब्ज़ा कर लिया।
- यह युद्ध संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता के साथ समाप्त हुआ, लेकिन इसने मध्य-पूर्व के मानचित्र को बदल दिया, फलस्वरूप भू-राजनीतिक टकराव को जन्म दिया। **अत:विकल्प (a) सही है।**

71. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	आंदोलन	**देश**
1.	येलो वेस्ट आंदोलन	फ्रांस
2.	फ्राइडे फॉर फ्यूचर	स्वीडन
3.	अंब्रेला क्रांति	इंडोनेशिया

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 1 और 2

c. केवल 2 और 3

d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- येलो वेस्ट आंदोलन एक जन-केंद्रित, लोकतांत्रिक, आर्थिक न्याय की प्राप्ति के लिये ज़मीनी स्तर का राजनीतिक आंदोलन है जो अक्तूबर 2018 में फ्राँस में शुरू हुआ था।
  - अपने प्रारंभिक दौर में यह आंदोलन ईंधन की बढ़ती कीमतों और जीवनयापन की उच्च लागत जैसे कारणों से प्रेरित था जिसमें यह माना गया कि सरकार के कर सुधारों का असंगत बोझ कामकाजी और मध्यम वर्गों पर पड़ रहा था, विशेष कर ग्रामीण और परिनगरीय क्षेत्रों पर।
  - बाद में प्रदर्शनकारियों द्वारा ईंधन कर में कमी, संपत्ति पर लगने वाले कर की पुन: शुरुआत, न्यूनतम मज़दूरी में वृद्धि, नागरिकों द्वारा किये गए जनमत संग्रह का कार्यान्वयन जैसे मुदों को

उठाया गया। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित है।**

- फ्राइडे फॉर फ्यूचर (#FridaysForFuture) एक आंदोलन है जो अगस्त 2018 में 15 वर्ष आयु की ग्रेटा थुनबर्ग द्वारा स्वीडिश संसद के सामने तीन सप्ताह तक जलवायु संकट पर कार्रवाई की कमी के खिलाफ प्रदर्शन करने के बाद शुरू हुआ। ग्रेटा के इस कदम की सोशल मीडिया पर काफी प्रसंशा हुई और इसे जन समर्थन मिला ।
    - 8 सितंबर को ग्रेटा ने पेरिस समझौते के अनुरूप वैश्विक तापन को 2 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने संबंधी लक्ष्य पर सार्थक कदम न उठाए जाने तक प्रत्येक शुक्रवार को यह हड़ताल जारी रखने की बात कही। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित है।**
- अंब्रेला आंदोलन एक राजनीतिक आंदोलन था जो 2014 के हॉन्गकॉन्ग में लोकतांत्रिक विरोध के दौरान उभरा था। इसका यह नाम हॉन्गकॉन्ग पुलिस द्वारा अधिक पारदर्शी चुनावों की मांग कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिये प्रयोग किये गए मिर्ची स्प्रे के विरोध में अंब्रेला को एक उपकरण के रूप में उपयोग करने से पड़ा। यह विरोध 31 अगस्त, 2014 को नेशनल पीपुल्स कॉन्ग्रेस की स्टैंडिंग समिति (NPCSC) के निर्णय के कारण शुरू हुआ जिसमें वर्ष 2017 में होने वाले हॉन्गकॉन्ग के मुख्य कार्यकारी के चुनाव से पूर्व उम्मीदवारों की चयनित प्री-स्क्रीनिंग की बात कही गई थी। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।**

72. हाल ही में समाचारों में रहा 'तुलागी द्वीप' कहाँ स्थित है?

a. प्रशांत महासागर
b. हिंद महासागर
c. अटलांटिक महासागर
d. दक्षिणी महासागर

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- बीजिंग स्थित एक कंपनी जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से संबंधित है, ने तुलागी द्वीप और उसके आसपास के क्षेत्र के लिये विशेष विकास अधिकार प्राप्त किये हैं।
- तुलागी, सोलोमन द्वीप समूह के अंतर्गत एक द्वीप है जो दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य के मध्य अवस्थित है।
    - द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापान (1942) द्वारा नष्ट किये जाने से पहले यह ब्रिटिश सोलोमन द्वीप की प्रशासनिक राजधानी (1893 से) थी।
- इस कदम ने अमेरिकी अधिकारियों को चिंतित कर दिया है जो दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के समुद्री मार्गों को निगरानी तथा सुरक्षा की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण मानते हैं। अत:विकल्प (a) सही है।

73. केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह रसायन और उर्वरक मंत्रालय के औषधीय विभाग के अधीन कार्यरत है।
2. यह देश में औषधियों के अनुमोदन और चिकित्सकीय परीक्षणों के संचालन के लिये उत्तरदायी है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन

- केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अधीन कार्यरत है।
  - CDSCO ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत केंद्र सरकार को सौंपे गए कार्यों के निर्वहन के लिये एक केंद्रीय औषधि प्राधिकरण है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- CDSCO औषधियों के अनुमोदन, चिकित्सकीय परीक्षणों के संचालन, औषधियों के मानक तैयार करने और देश में आयातित दवाओं की गुणवत्ता के नियंत्रण के लिये उत्तरदायी है। **अतः कथन 2 सही है।**

74. WTO में 'विकासशील देश के दर्जे' के निम्नलिखित में से क्या लाभ है/हैं?

1. भुगतान संतुलन संबंधी विकट परिस्थिति में आयात को प्रतिबंधित करने का अधिकार।
2. गैर-पारस्परिक अधिमान्य उपचार।
3. विशेष और विभेदक उपचार।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

विश्व व्यापार संगठन में विकासशील देशों की स्थिति

- WTO ने 'विकसित' और 'विकासशील' देशों की कोई निश्चित परिभाषा तय नहीं की है। सदस्य देश स्वयं ही इस बात की घोषणा करते हैं कि वे 'विकसित' हैं या 'विकासशील'।
  - हालाँकि अन्य सदस्य देश किसी देश द्वारा स्वयं को विकासशील घोषित करने के निर्णय को चुनौती दे सकते हैं।
- विश्व व्यापार संगठन के समझौतों में कुछ विशेष प्रावधान होते हैं जो विकासशील देशों को विशेष अधिकार प्रदान करते हैं। इन प्रावधानों को "विशेष और विभेदात्मक व्यवहार" (S&D) के रूप में जाना जाता है। **अतः कथन 3 सही है।**
- विशेष प्रावधानों में शामिल हैं:
  - समझौतों और प्रतिबद्धताओं को लागू करने के लिये लंबी समयावधि,
  - विकासशील देशों के लिये व्यापार के अवसरों को बढ़ाने के उपाय,
  - सभी WTO सदस्यों से विकासशील देशों के व्यापार हितों की सुरक्षा।
  - WTO से संबंधित कार्यों को पूरा करने, विवादों का निपटारा और तकनीकी मानकों को लागू करने हेतु विकासशील देशों की सहायता।
  - अल्प विकसित सदस्य देशों संबंधी प्रावधान।
- विश्व व्यापार संगठन में विकासशील देशों को मिलने वाले लाभ:
  - जिस समझौते के तहत WTO की स्थापना की गई थी वह निश्चित करता है कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से विकासशील एवं अल्पविकसित देशों के आर्थिक विकास को लाभ पहुँचना चाहिये।
  - किसी विशेष उद्योग की स्थापना या रखरखाव को बढ़ावा देने या भुगतान-संबंधी कठिनाइयों की स्थिति में टैरिफ और व्यापार संबंधी सामान्य करार (General Agreement on Tariffs and Trade-GATT), विकासशील देशों को अपने देश में आयात पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है **अतः कथन 1 सही है।**
  - GATT के भाग IV में विकासशील देशों के लिये गैर-पारस्परिक अधिमान्य उपचार (Non-Reciprocal Preferential Treatment) की

अवधारणा संबंधी प्रावधान है अर्थात् जब विकसित देश विकासशील देशों को व्यापार संबंधी छूट प्रदान करते हैं तो उन्हें बदले में विकासशील देशों से उसी प्रकार की छूट की प्रत्याशा नहीं रखनी चाहिये। **अतः कथन 2 सही है।**

75. हाल ही में, दो पड़ोसी देशों के बीच सीमा विवाद को सुलझाने के लिये नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। ये दोनों देश किस क्षेत्र में है?

a. नॉर्डिक क्षेत्र
b. बाल्टिक क्षेत्र
c. हॉर्न ऑफ अफ्रीका
d. कैरिबियन क्षेत्र

उत्तर: (c)

व्याख्या:

वर्ष 2019 का नोबेल शांति पुरस्कार पड़ोसी देश इरिट्रिया के साथ सीमा संघर्ष को सुलझाने की निर्णायक पहल के लिये इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली को प्रदान किया गया है।

- वर्ष 1993 में इरीट्रिया इथियोपिया से अलग होकर एक स्वतंत्र देश बना, जो लाल सागर के तट पर हॉर्न ऑफ अफ्रीका (Horn of Africa) में स्थित था।
- दोनों देशों के बीच बाडमे (**Badme**) शहर पर नियंत्रण को लेकर संघर्ष शुरू हुआ था।
- जून 2000 में दोनों देशों के मध्य संघर्ष विराम को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए, जिसके बाद शांति समझौता हुआ।
- इस समझौते से औपचारिक रूप से संघर्ष समाप्त हुआ और विवाद को निपटाने के लिये एक सीमा आयोग की स्थापना की गई।
- आयोग ने वर्ष 2002 में अपना 'अंतिम और बाध्यकारी' जनादेश दिया और इरिट्रिया को बाडमे सौंप दिया गया।
- हालाँकि इथियोपिया ने इस फैसले को स्वीकार नहीं किया और सीमा संबंधी विवाद संघर्षों में बदलते रहे।
- प्रधानमंत्री अबी अहमद द्वारा की गई इस घोषणा के बाद कि इथियोपिया वर्ष 2000 में हुए समझौते की सभी शर्तों का पालन करेगा, लगभग दो दशक से चल रहे युद्ध का अंत हुआ।

अतः विकल्प (c) सही है।

76.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (RCEP) के अधिकतर सदस्य राष्ट्रों के साथ भारत का व्यापार संतुलन है।
2. RCEP वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के एक-तिहाई भाग का प्रतिनिधित्व करता है।
3. RCEP की परिकल्पना विश्व व्यापार संगठन के तत्त्वावधान में की जा रही है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारत के अलग-अलग द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों के बावजूद क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (RCEP) के अधिकांश सदस्य देशों के साथ भारत व्यापार घाटे की स्थिति में है। 15 RCEP देशों में से कम-से-कम 11 देशों के साथ व्यापार घाटे की स्थिति में हैं। RCEP देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा पिछले पाँच-छह वर्षों में लगभग दोगुना हो गया है। 2013-14 में यह $54 बिलियन था जो वर्ष 2018-19 में

बढ़कर $105 बिलियन तक पहुँच गया है। वर्तमान में भारत अपने कुल निर्यात का 20% RCEP देशों को करता है जबकि उनसे अपने आयात का 35% भाग प्राप्त करता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- RCEP वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक-तिहाई भाग है। इसके 16 देशों (भारत सहित) में 3.4 बिलियन जनसंख्या अधिवासित है जो कि विश्व की लगभग आधी जनसंख्या के बराबर है, वहीं इनका कुल सकल घरेलू उत्पाद (GDP) 21.4 ट्रिलियन डॉलर था जो कि वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 39% है। **अतः कथन 2 सही है।**
- RCEP 16 देशों (भारत सहित) के मध्य एक मेगा-क्षेत्रीय मुक्त व्यापार समझौता है और इसका उद्देश्य वस्तु, सेवा, निवेश, आर्थिक तथा तकनीकी सहयोग, प्रतियोगिता और बौद्धिक संपदा अधिकारों को कवर करना है। जबकि विश्व व्यापार संगठन (WTO) राष्ट्रों के बीच व्यापार के वैश्विक नियमों से संबंधित है। WTO और RCEP एक-दूसरे से स्वतंत्र हैं। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

77. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
भारत का महान्यायवादी

1. लोकसभा की कार्यवाही में भाग लें सकता है।
2. लोकसभा की किसी समिति का सदस्य हो सकता है।
3. लोकसभा में बोल सकता है।
4. लोकसभा में मतदान कर सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 4
c. 1, 2 और 3
d. केवल 1 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- महान्यायवादी भारत सरकार का मुख्य विधिक सलाहकार होता है, जिसकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 76** में कहा गया है कि:
  - राष्ट्रपति, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने योग्य किसी व्यक्ति को भारत का महान्यायवादी नियुक्त करेगा।
  - महान्यायवादी का यह कर्त्तव्य होगा कि वह भारत सरकार को विधि संबंधी ऐसे विषयों पर सलाह दे और विधिक स्वरूप के ऐसे अन्य कर्त्तव्यों का पालन करे जो राष्ट्रपति उसको समय-समय पर निर्देशित करे या सौंपे और उन कृत्यों का निर्वहन करे जो उसको इस संविधान अथवा तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि द्वारा या उसके अधीन प्रदान किये गए हों।
  - महान्यायवादी को अपने कर्त्तव्यों के पालन में भारत के राज्यक्षेत्र के सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार होगा।
  - महान्यायवादी, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करेगा और राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित पारिश्रमिक प्राप्त करेगा।
- भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 88 के अनुसार,** प्रत्येक मंत्री और भारत के महान्यायवादी को यह अधिकार होगा कि **वह किसी भी सदन में, सदनों की किसी संयुक्त बैठक में और संसद की किसी समिति में, जिसमें उसका नाम सदस्य के रूप में दिया गया है, बोले और उसकी कार्यवाहियों में भाग ले**, किंतु इस अनुच्छेद के आधार पर उसे **मत देने का अधिकार नहीं होगा।**

78. लोक निधियों के कुशलतापूर्वक और आशयित प्रयोग को सुनिश्चित करने के साथ-साथ भारत में नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) के कार्यालय का क्या महत्व है?

1. CAG संसद की ओर से राजकोष पर नियंत्रण रखता है, जब भारत का राष्ट्रपति राष्ट्रीय आपात/ वित्तीय आपात घोषित करता है।
2. CAG की मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित परियोजनाओं या कार्यक्रमों के निष्पादन पर जारी रिपोर्ट पर लोक लेखा समिति विचार-विमर्श करती है।
3. CAG की रिपोर्टों से मिली जानकारियों के आधार पर जाँचकर्त्ता एजेंसियाँ उन लोगों के विरुद्ध आरोप दाखिल कर सकती हैं जिन्होंने लोक निधि प्रबंधन में कानून का उल्लंघन किया हो।
4. CAG को ऐसी न्यायिक शक्तियाँ प्राप्त हैं कि वह सरकारी कंपनियों के लेखा-परीक्षा और लेखा जाँचते समय वह कानून का उल्लंघन करने वालों पर अभियोग लगा सके।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1, 3 और 4
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- लोक लेखा समिति का कार्य भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) के वार्षिक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदनों की जाँच करना है, जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा संसद के समक्ष रखा जाता है।
- लोक लेखा समिति के अपने कर्तव्यों के निर्वहन में, CAG द्वारा समिति की सहायता की जाती है। वस्तुत: CAG समिति के मार्गदर्शक और मित्र के रूप में कार्य करता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- वित्तीय आपातकाल के दौरान CAG का वित्त पर कोई नियंत्रण नहीं होता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- CAG के पास कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मुकदमा चलाने की शक्ति नहीं है, लेकिन यह लेखाओं के बारे में स्पष्टीकरण की मांग कर सकता है। **अत: कथन 4 सही नहीं है।**
- जाँच एजेंसियों ने 2G मामले सहित कई मामलों में CAG के निष्कर्षों का उपयोग किया है। **अत: कथन 3 सही है।**

79. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रीय विकास परिषद् में शामिल होते हैं?

1. प्रधानमंत्री
2. अध्यक्ष, वित्त आयोग
3. संघीय मंत्रिमंडल के मंत्रिगण
4. राज्यों के मुख्यमंत्री

नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1, 2 और 3
b. केवल 1, 3 और 4
c. केवल 2 और 4
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर : (b)

व्याख्या:

- राष्ट्रीय विकास परिषद की स्थापना 6 अगस्त, 1952 को हुई थी।
- यह न तो एक संवैधानिक निकाय है और न ही सांविधिक निकाय। यह देश की पंचवर्षीय योजनाओं के अनुमोदन से संबंधित मामलों पर निर्णय लेने हेतु एक सर्वोच्च निकाय है।
- इसकी अध्यक्षता भारत का प्रधानमंत्री करता है और इसमें केंद्रीय मंत्रिमंडल के सभी मंत्री, सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासक और पूर्ववर्ती योजना आयोग के सदस्य शामिल होते हैं।
- राष्ट्रीय विकास परिषद् में वित्त आयोग के अध्यक्ष की कोई भूमिका नहीं होती है। **अत: विकल्प (b) सही है।**

80. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये::

1. केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) की स्थापना लाल बहादुर शास्त्री के प्रधानमंत्रित्व काल में की गई थी।
2. CAT के सदस्यों को न्यायिक तथा प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों से शामिल किया जाता हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)

व्याख्या:

- केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) का गठन वर्ष 1985 में संविधान के अनुच्छेद 323(क) के तहत किया गया था। CAT अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लोक सेवकों की भर्ती व सेवा संबंधी विवादों और शिकायतों को देखता है। इसके अधिकार क्षेत्र में अखिल भारतीय सेवाओं, केंद्रीय लोक सेवाओं, केंद्र के अधीन नागरिक पदों और सैन्य सेवाओं के सिविल कर्मचारियों को सम्मिलित किया गया है।
  - इसकी स्थापना राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान की गई थी। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- CAT को एक विशेषज्ञ निकाय के रूप में स्थापित किया गया है जिसमें प्रशासनिक सदस्यों और न्यायिक सदस्यों दोनों को शामिल किया जाता है जो बेहतर, त्वरित और प्रभावी निर्णय देने के लिये अपनी विशेषज्ञता का प्रयोग करते हैं। **अत: कथन 2 सही है।**

81. हाल ही में समाचारों में देखा गया 'अनिवार्य प्रथाओं का सिद्धांत' निम्नलिखित में से किस मुद्दे से संबंधित है?

a. बाह्य आक्रमण से राज्य की सुरक्षा से

b. समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करने से

c. सबरीमाला मंदिर में प्रवेश के मामले से

d. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के निराकरण से

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- 'इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन बनाम केरल राज्य (सबरीमला मंदिर प्रवेश मामला) मामले में केरल के सबरीमाला के अय्यप्पा मंदिर में महिलाओं को पूजा करने का अधिकार है या नहीं, यह निर्धारित करने के लिये अनिवार्य प्रथाओं के सिद्धांत की प्रासंगिकता पर परस्पर विरोधी तर्क देखे गए।
- अनिवार्य प्रथाओं का सिद्धांत सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विकसित एक कसौटी है, जो धर्म के लिये आवश्यक और अभिन्न धार्मिक प्रथाओं की रक्षा से संबंधित है।
  - याचिकाकर्त्ताओं ने मासिक धर्म की उम्र (10 से 50 वर्ष के बीच) की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश करने से प्रतिबंधित करने वाले नियम की वैधता को चुनौती दी और तर्क दिया कि यह धर्म का एक अनिवार्य हिस्सा नहीं है।
  - याचिकाकर्त्ताओं ने यह भी तर्क दिया कि निषेध का नियम (मासिक धर्म की महिलाओं को रोकना) निरर्थक और असंवैधानिक है क्योंकि इस तरह की प्रथाएँ न केवल एक महिला की बुनियादी गरिमा के लिये अपमानजनक हैं, बल्कि संविधान के तहत अनुच्छेद 14, 15, 21 और 25 के अंतर्गत दिये गए गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन करती हैं।
- ऐतिहासिक रूप से अनिवार्य प्रथाओं के सिद्धांत ने भारतीय उच्चतम न्यायालय को उन धार्मिक प्रथाओं से संबंधित मामलों के निर्णयन में सहायता प्रदान की है जो संवैधानिक संरक्षण के योग्य थीं।

82. भारतीय दंड संहिता की धारा-497 निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

a. वैवाहिक बलात्कार

b. आपराधिक मानहानि

c. व्यभिचार

d. आत्महत्या का अपराधीकरण

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- भारतीय दंड संहिता (Indian Penal Code-IPC) की धारा-497 विवाहेतर संबंधों से संबंधित है जो व्यभिचार को अपराध का दर्जा देती है।

- IPC की धारा-497 के अनुसार, यदि कोई पुरुष किसी विवाहित महिला के साथ यौनाचार करता है तो वह परस्त्रीगमन (व्यभिचार) के अपराध का दोषी होगा और उस महिला का पति पुरुष के खिलाफ व्यभिचार का केस दर्ज करा सकता है। इसमें उस विवाहित महिला के खिलाफ केस दर्ज कराने का कोई प्रावधान नहीं है।
- इस प्रावधान में एक विचारणीय तथ्य यह भी है कि इसमें अपराध पत्नी के खिलाफ होता है और शिकायतकर्त्ता केवल पति ही हो सकता है।
- व्यभिचार के मामले में उस पुरुष को शिकायत करने का अधिकार है, जिसकी पत्नी किसी और से संबंध बनाती है, लेकिन उस महिला को शिकायत का कोई अधिकार नहीं है, जिसके पति ने किसी और से संबंध बनाए हों।
- इस प्रकार इन मामलों में केवल पुरुष को दोषी बनाना भेदभावपूर्ण है, जबकि विवाहेतर संबंधों में पुरुष व महिला दोनों की समान भागीदारी होती है।
- इसके अतिरिक्त यह धारा महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध है। अतः यह संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है।
- धारा-497, अनुच्छेद 14 और 15 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करती है क्योंकि यह लिंग के आधार पर भेदभाव करती है और इसके तहत केवल पुरुषों को दंडित किया जाता है।
- धारा-497 उस सिद्धांत पर आधारित है जिसके अनुसार, एक महिला विवाह के साथ ही अपनी पहचान और कानूनी अधिकार खो देती है। यह धारा उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है। यह सिद्धांत संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है। व्यभिचार अनैतिक हो सकता है लेकिन गैर-कानूनी नहीं।
- उच्चतम न्यायालय ने व्यभिचार को अपराध का दर्जा देने वाली 158 साल पुरानी भारतीय दंड संहिता की धारा-497 को असंवैधानिक बताते हुए इसे रद्द कर दिया है।

83. गैर-कानूनी गतिविधि (निवारण) संशोधन अधिनियम, 2019 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अब केवल एक व्यक्ति को भी आतंकवादी घोषित किया जा सकता है।
2. यह संशोधन राष्ट्रीय जांच एजेंसी को आतंकवाद से जुड़ी संपत्तियों को ज़ब्त करने का अधिकार देता है।
3. अधिनियम के तहत मामलों की जाँच पुलिस निरीक्षक रैंक या उससे ऊपर के अधिकारियों द्वारा की जा सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- गैर-कानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम के तहत केंद्र सरकार एक संगठन को आतंकवादी संगठन के रूप में नामित कर सकती है यदि वह: (i) आतंकवादी कार्रवाई करता है या उसमें भाग लेता है (ii) आतंकवादी घटना को अंजाम देने की तैयारी करता है (iii) आतंकवाद को बढ़ावा देता है (iv) अन्यथा आतंकवादी गतिविधि में शामिल है।
    - यह संशोधन अधिनियम सरकार को समान आधार पर व्यक्तियों को भी आतंकवादी के रूप में निर्दिष्ट करने का अधिकार देता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- संशोधन अधिनियम के अनुसार, यदि मामले की जाँच राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (National Investigation Agency- NIA) के अधिकारी द्वारा की जाती है, तो ऐसी संपत्ति को ज़ब्त करने के लिये NIA के महानिदेशक की मंज़ूरी की आवश्यकता होगी। **अतः कथन 2 सही है।**
- यह संशोधन मामलों की जाँच के लिये NIA के इंस्पेक्टर या उससे ऊपर की रैंक के

अधिकारियों को अधिकार देता है। संशोधन से पहले ऐसे मामलों की जाँच उप-पुलिस अधीक्षक या सहायक पुलिस आयुक्त रैंक के अधिकारियों द्वारा की जाती थी। **अतः कथन 3 सही है।**

84. सूचना का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस संशोधन ने केंद्र सरकार को केंद्रीय सूचना आयुक्तों (CIC) और राज्य सूचना आयुक्तों के पद, वेतन और कार्यकाल निर्धारित करने का अधिकार दिया है।
2. इसने भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) के कार्यालय को भी RTI अधिनियम के दायरे में ला दिया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- सूचना के अधिकार (संशोधन) अधिनियम 2019 यह विहित करता है कि मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों के वेतन, भत्ते और अन्य शर्तें "केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जाएंगी।
    - इसके अलावा, नियुक्ति 'उस अवधि के लिये होगी जो केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जाए। **अतः कथन 1 सही है।**
- केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (भारत का उच्चतम न्यायालय) बनाम सुभाष चंद्र अग्रवाल मामले 2019 में भारत के उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने निर्णय दिया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) का कार्यालय सूचना के अधिकार के दायरे में आएगा क्योंकि RTI अधिनियम के तहत CJI एक लोक प्राधिकरण है।
- CJI को RTI अधिनियम में संशोधन के माध्यम से नहीं बल्कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्णय द्वारा RTI के तहत लाया गया है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

85. राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. NIA का गठन वर्ष 2008 में एक कार्यकारी प्रस्ताव द्वारा किया गया था।
2. यह भारत के किसी भी हिस्से में आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ स्वतः संज्ञान ले सकती है।
3. इसे साइबर अपराध, मानव तस्करी और जाली मुद्रा को नियंत्रित करने का भी अधिदेश दिया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

1. राष्ट्रीय जाँच एजेंसी भारत में आतंक का मुकाबला करने के लिये भारत सरकार द्वारा गठित एक सरकारी एजेंसी है। इसका गठन राष्ट्रीय जाँच एजेंसी अधिनियम, 2008 द्वारा किया गया, न कि किसी कार्यकारी प्रस्ताव के माध्यम से। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
2. NIA भारत के किसी भी हिस्से में आतंकवादी गतिविधियों की रोकथाम हेतु स्वतः संज्ञान ले सकती है तथा उसे मुकदमा दर्ज करने, सरकार की अनुमति के बिना किसी भी राज्य में प्रवेश करने और जाँच करने तथा लोगों की गिरफ्तारी का अधिकार है। **अतः कथन 2 सही है।**
3. NIA अधिनियम को वर्ष 2019 में संशोधित किया गया था और निम्नलिखित अपराधों को NIA के दायरे में लाया गया।

1. मानव तस्करी (भारतीय दंड संहिता की धारा 370A)
2. जाली मुद्रा या बैंक नोट
3. प्रतिबंधित हथियारों का निर्माण या बिक्री [शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 25 (1AA)]
4. साइबर अपराध (IT अधिनियम, 2000 की धारा 66F)

अतः कथन 3 सही है।

86. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

सूचकांक	संस्था
1. लोकतंत्र सूचकांक	इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट
2. वैश्विक नवाचार सूचकांक	विश्व बौद्धिक संपदा संगठन
3. वैश्विक भुखमरी सूचकांक	यूनिसेफ

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- लोकतंत्र सूचकांक वर्ष 2006 से इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट द्वारा तैयार किया जा रहा है। यह वैश्विक सूचकांक 165 स्वतंत्र देशों और दो क्षेत्रों (Territories) में लोकतंत्र की मौजूदा स्थिति को प्रदर्शित करता है। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित है।**
    - लोकतंत्र सूचकांक 2019 में भारत 51वें स्थान पर है।
    - यह सूचकांक पाँच मानकों चुनाव प्रक्रिया और बहुलतावाद, सरकार की कार्यशैली, राजनीतिक सहभागिता, राजनीतिक संस्कृति, नागरिक स्वतंत्रताओं पर आधारित है।
- वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII) दुनिया भर के 130 देशों और अर्थव्यवस्थाओं के नवाचार प्रदर्शन को रैंक प्रदान करता है। यह विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO), कॉर्नेल विश्वविद्यालय और इनसीड (INSEAD) द्वारा प्रकाशित किया जाता है। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित है।**
    - रिपोर्ट में दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं की नवाचार क्षमताओं और प्रदर्शन की वार्षिक रैंकिंग प्रदान की गई है।
    - GII 2019 में भारत 52वें स्थान पर है।
- वैश्विक भुखमरी सूचकांक (GHI) एक अंतर्राष्ट्रीय उपकरण है जिसे वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर भूख की स्थिति को व्यापक रूप से मापने और ट्रैक करने के लिये डिज़ाइन किया गया है। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।**
    - GHI को अमेरिका स्थित अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (IFPRI) और जर्मनी स्थित वेल्थुंगरहिल्फे (WeltHungerHilfe) तथा आयरिश NGO कंसर्न वर्ल्डवाइड द्वारा प्रकाशित किया गया था।
    - वर्ष 2018 में IFPRI, GHI में अपनी भागीदारी से अलग हो गया और यह वेल्थुंगरहिल्फे और कंसर्न वर्ल्डवाइड की संयुक्त परियोजना बन गई।
    - GHI 2019 में भारत 102वें स्थान पर है।

87. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

रिपोर्ट	जारीकर्त्ता संस्था
1. वैश्विक पर्यावरण आउटलुक रिपोर्ट	संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम
2. वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट	अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
3. वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट	विश्व आर्थिक मंच

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या

- वैश्विक पर्यावरण आउटलुक को प्रायः संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण के प्रमुख पर्यावरणीय मूल्यांकन के रूप में जाना जाता है। इसका पहला प्रकाशन वर्ष 1997 में हुआ था।
- वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (GFSR) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की एक अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट है जो वैश्विक वित्तीय बाज़ारों और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के वित्तपोषण की स्थिरता का आकलन करती है।
- वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट, विश्व आर्थिक मंच द्वारा पहली बार वर्ष 2006 में प्रकाशित हुई थी। वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट, लैंगिक समानता के मापन हेतु विकसित किया गया एक सूचकांक है। **अतः विकल्प (d) सही है।**

88. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. शैक्षिक संस्थानों में आरक्षण
2. लोक नियोजन में आरक्षण
3. पदोन्नति में आरक्षण

भारत में किन्ही सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों को उपरोक्त श्रेणियों में से कौन-सा/से आरक्षण प्रदान किये जाते है?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

शैक्षिक संस्थानों में आरक्षण

- अनुच्छेद-15(5) के तहत, राज्य को सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हुए नागरिकों के किन्हीं वर्गों की उन्नति के लिये या अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के लिये शैक्षिक संस्थानों, निजी संस्थानों चाहे वह राज्य द्वारा सहायता प्राप्त कर रहे हो या नहीं (केवल अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को छोड़कर) में उनके प्रवेश हेतु कोई विशेष प्रावधान बनाने का अधिकार है। यह प्रावधान 93वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया था।
- इस प्रावधान को प्रभावी करने के लिये केंद्र सरकार ने केंद्रीय शैक्षिक संस्थानों (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम, 2006 को अधिनियमित किया। **अतः कथन 1 सही है।**

सार्वजनिक नियुक्तियों अर्थात् लोक नियोजन में आरक्षण

- अनुच्छेद 16 (4) के तहत, राज्य को ऐसे किसी भी पिछड़े हुए नागरिकों के किसी वर्ग के पक्ष में, जिनका प्रतिनिधित्व राज्य की सेवाओं में पर्याप्त नहीं है, नियुक्तियों या पदों के आरक्षण हेतु विशेष प्रावधान बनाने का अधिकार रखते है।
- सार्वजनिक नियुक्तियों में आरक्षण इसी अनुच्छेद से लिया गया है। **अतः कथन 2 सही है।**

पदोन्नति में आरक्षण

- 77वें संशोधन अधिनियम, 1995 ने एक नया प्रावधान यानी अनुच्छेद 16(4)(क) जोड़ा, जो राज्य को अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों हेतु राज्य सेवाओं में पर्याप्त

प्रतिनिधित्व न होने की स्थिति में सेवा में प्रोन्नति में आरक्षण का प्रावधान करने का अधिकार देता है।

- अनुच्छेद 16(4)(क) केवल अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिये पदोन्नति में आरक्षण का प्रावधान करता है न कि किसी भी सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग के नागरिकों के लिये। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

89. निम्नलिखित पर विचार कीजिये:

1. दिल्ली संवाद
2. व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता
3. क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी संरचना
4. पूर्व की ओर देखो नीति

उपर्युक्त में से कौन-से भारत-आसियान संबंधों से संबंधित हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 4
c. केवल 1, 2 और 3
d. केवल 1, 2 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- दिल्ली संवाद भारत और आसियान के बीच आर्थिक, सामाजिक और सामाजिक-सांस्कृतिक जुड़ाव पर चर्चा करने के लिये एक प्रमुख वार्षिक 1.5 ट्रैक प्रकार (आधिकारिक और गैर-आधिकारिक दोनों प्रकार के नेतृत्व आधारित कूटनीति) का वार्ता मंच है। यह वर्ष 2009 में शुरू हुआ था। **अत: कथन 1 भारत-आसियान संबंधों से संबंधित है।**
- भारत-आसियान के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते या मुक्त व्यापार समझौते पर वर्ष 2010 में हस्ताक्षर किये गए थे। **अतः कथन 2 भारत-आसियान संबंधों से संबंधित है।**
- क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी संरचना (RATS), जिसका मुख्यालय ताशकंद (उज्बेकिस्तान) में है, SCO का एक स्थायी अंग है जो तीन प्रमुख चुनौतियों- आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ, के विरूद्ध सदस्य राज्यों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने का कार्य करता है। **अतः कथन 3 भारत-आसियान संबंधों से संबंधित नहीं है।**
- भारत की लुक ईस्ट अर्थात् पूर्व की ओर देखो नीति एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में दक्षिण-पूर्व एशियाई के राष्ट्रों के साथ व्यापक आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को विकसित करने का प्रयास है। यह प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव (1991-1996) की सरकार के दौरान विकसित और लागू किया गया था। **अतः कथन 4 भारत-आसियान संबंधों से संबंधित है।**

90. राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (FRBM) अधिनियम के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. एन. के. सिंह समिति की स्थापना राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम, 2003 की समीक्षा के लिये की गई थी।
2. इसने मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति ब्यौरा प्रस्तुत करना अनिवार्य कर दिया।
3. इसका उद्देश्य प्रभावी राजस्व घाटे को GDP के 3% तक लाना है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (FRBM) अधिनियम

- एन. के. सिंह वित्त मंत्रालय के तहत FRBM अधिनियम, 2003 की समीक्षा हेतु गठित समिति के अध्यक्ष हैं।
- इसने वित्तीय वर्ष 2022-23 तक केंद्र सरकार के लिये 38.7% तथा राज्य सरकारों के लिये 20% ऋण-GDP अनुपात की और राजकोषीय घाटा, सकल घरेलू उत्पाद (सकल घरेलू उत्पाद) के 2.5% तक करने की सिफारिश की है। **अतः कथन 1 सही है।**

- FRBM अधिनियम के अनुसार, केंद्र सरकार प्रत्येक वित्तीय वर्ष में संसद के दोनों सदनों के समक्ष वार्षिक वित्तीय विवरण और अनुदान की मांगों के साथ राजकोषीय नीति के निम्नलिखित विवरणों को रखेगी:
    - मध्यावधि का राजकोषीय नीति विवरण
    - राजकोषीय नीति रणनीति विवरण
    - मैक्रो-इकोनॉमिक फ्रेमवर्क स्टेटमेंट, **अतः कथन 2 सही है।**
- राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम के अनुसार, राजकोषीय घाटा GDP का 3% होना चाहिये, जबकि प्रभावी राजस्व घाटे को कम करने का लक्ष्य GDP का 0% है। **अतः कथन 3 सही नहीं है**

91. CITES के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह संकटग्रस्त वनस्पतियों और वन्य जीवों की रक्षा हेतु एक बहुपक्षीय संधि है।
2. यह संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा प्रशासित है।
3. इसे जिनेवा अभिसमय के नाम से भी जाना जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- वन्य जीवों और वनस्पतियों की संकटग्रस्त प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय (Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora-CITES) संकटग्रस्त वनस्पतियों और वन्यजीवों की रक्षा के लिये एक बहुपक्षीय संधि है। यह विश्व में वन्य जीवों और पौधों की प्रजातियों के वाणिज्यिक व्यापार को विनियमित करने हेतु एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- इसके अलावा यह संकटग्रस्त वन्य जीवों और वनस्पतियों से निर्मित उत्पादों जैसे- खाद्य पदार्थ, वस्त्र, औषधियाँ एवं स्मारक पदार्थ आदि के व्यापार को भी प्रतिबंधित करता है।
- इस पर 3 मार्च, 1973 को हस्ताक्षर किये गए थे। इसलिये 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस मनाया जाता है। इसका प्रशासनिक नियंत्रण UNEP के पास है। **अतः कथन 2 सही है।**
- सचिवालय- जिनेवा (स्विट्ज़रलैंड)
- CITES एक कानूनी रूप से बाध्यकारी अभिसमय है। अत: इसके पक्षकार राज्य इसके लक्ष्यों को लागू करने के लिये अपने घरेलू स्तर पर कानून बनाने हेतु बाध्य हैं।
- CITES को वाशिंगटन अभिसमय भी कहा जाता है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

92. निम्नलिखित पर विचार कीजिये:

1. कार्टाजेना प्रोटोकॉल
2. मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल
3. नागोया प्रोटोकॉल

उपर्युक्त में से कौन-सा/से प्रोटोकोल जैव-विविधता पर अभिसमय से संबंधित है/हैं?

a. केवल 1 और 3
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- जैव-विविधता पर अभिसमय (CBD), रियो डी जनेरियो में वर्ष 1992 में आयोजित पृथ्वी शिखर सम्मेलन का एक प्रमुख परिणाम था। CBD में पक्षकार के रूप में विश्व के 196 देश शामिल हैं।
- CBD में राष्ट्रों के जैविक संसाधनों पर उनके संप्रभु अधिकारों की पुष्टि किये जाने के साथ तीन लक्ष्य निर्धारित किये गए है-
    - जैव विविधता का संरक्षण
    - जैव विविधता घटकों का सतत् उपयोग

- आनुवंशिक संसाधनों के उपयोग से प्राप्त होने वाले लाभों में उचित और समान भागीदारी
- CBD के तहत अभिसमय:
    - **जैव सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल 1993**
        - जैव सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जिसका उद्देश्य आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी से उत्पन्न होने वाले जीवित संशोधित जीवों (LMOs) जिनका जैव-विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, का सुरक्षित संचालन और उपयोग सुनिश्चित करना है।
    - **नागोया प्रोटोकॉल 2010**
        - नागोया प्रोटोकॉल आनुवंशिक संसाधनों तक पहुँच और उनके उपयोग से सृजित लाभों के निष्पक्ष और न्यायोचित साझेकरण से संबंधित है।
- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल (1987) ओज़ोन-क्षयकारी पदार्थों से संबंधित एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जिसे ओज़ोन क्षरण के लिये उत्तरदायी कई पदार्थों के उत्पादन को चरणबद्ध तरीके से कम करने हेतु अपनाया गया है।

अत: विकल्प (a) सही है।

93. निम्नलिखित पर विचार कीजिये:

1. कॉमकासा (COMCASA)
2. INF संधि
3. न्यू स्टार्ट संधि

उपर्युक्त संधि/समझौते निम्नलिखित में से किस देश/संगठन से संबंधित है?

a. संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
b. यूरोपियन यूनियन
c. सार्क
d. आसियान

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **हाल ही में भारत और अमेरिका ने संचार संगतता और सुरक्षा समझौते (COMCASA) पर हस्ताक्षर किये**। COMCASA भारत को उन्नत रक्षा प्रणालियों तक पहुँच की सुविधा प्रदान करेगा और भारत को मौजूदा अमेरिकी मूल के प्लेटफार्मों का बेहतर उपयोग करने में सक्षम बनाएगा।
    - यह भारत में अमेरिका से संचार सुरक्षा संबंधी उपकरणों के हस्तांतरण का मार्ग प्रशस्त करेगा।
    - यह भारतीय और अमेरिकी सेनाओं तथा सुरक्षित डेटा लिंक के लिये USA आधारित संचार तंत्रों का उपयोग करने वाली सेनाओं के बीच 'पारस्परिकता' (**Interoperability**) की सुविधा प्रदान करेगा।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका** और सोवियत संघ ने वर्ष 1987 में अपने सभी 500 से 5,500 किलोमीटर की रेंज वाली पारंपरिक और नाभिकीय भू-आधारित बैलिस्टिक तथा क्रूज़ मिसाइलों का स्थायी रूप से परित्याग करने हेतु इंटरमीडिएट-रेंज न्यूक्लियर फोर्सेस (INF) संधि पर हस्ताक्षर किये थे।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका** और रूसी संघ द्वारा वर्ष 2010 में न्यू स्टार्ट संधि पर हस्ताक्षर किये गए थे, जो तैनात हथियारों की संख्या को सीमित करने के साथ ही शीतयुद्ध कालीन वॉरहेड से छुटकारा पाने पर केंद्रितहै।

अत: विकल्प (a) सही है।

94. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	अनुसंधान/मिशन	**संबंधित ग्रह**
1.	DKIST	सूर्य
2.	बेपीकोलंबो	बुध
3.	पंच मिशन	शुक्र

4. ओसिरिस-रेक्स चंद्रमा

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 3 और 4
c. केवल 1, 2 और 3
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **DKIST** :डेनियल के इनौय सोलर टेलिस्कोप (DKIST) को सूर्य की सतह का चित्रण करने और सौर भौतिकी के बारे में मूलभूत प्रश्नों के समाधान के लिये परिकल्पित किया गया है। DKIST मुई के हवाई द्वीप पर स्थापित चार मीटर की एक सौर दूरबीन है।
- **बेपीकोलंबो**: यूरोपियन यूनियन स्पेस एजेंसी (ESA) और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) ने सूर्य के सबसे नज़दीकी ग्रह पर बेपीकोलंबो (BepiColombo) नामक एक संयुक्त मिशन भेजा। यह अंतरिक्ष यान वर्ष 2025 तक बुध ग्रह तक पहुँच जाएगा।
- **पंच मिशन**: नासा का पंच मिशन (पोलरिमिटर टू यूनिफाई कोरोना एंड हेलियोस्फीयर) मिशन सूर्य के बाह्य कोरोना से सौर हवा में कणों के स्थानातंरण के अध्ययन पर केंद्रित है जो अंतर्ग्रह स्थान को भरता है।
- **ओसिरिस-रेक्स:** नासा का ओसिरिस-रेक्स (ओरिजन, स्पेक्ट्रल इंटरप्रिटेशन, रिसोर्स आईडेंटिफिकेसन, सिक्योरिटी- रेगोलिथ एस्प्लोरर) मिशन का उद्देश्य क्षुद्रग्रह बेन्नू का अध्ययन करना, वहाँ से नमूना एकत्र करना और वर्ष 2023 तक इसे पृथ्वी पर वापस लाना है। बेन्नू क्षुद्रग्रह एक आरंभिक कार्बन समृद्ध क्षुद्रग्रह है जिसमें जीवन के लिये आवश्यक कार्बन और पानी के अणु दोनों हो सकते हैं। इस प्रकार, OSIRIS REX सौर मंडल की उत्पत्ति और विकास को समझने में मदद करेगा। **अतः विकल्प (a) सही है।**

95. भारत में आरक्षण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. आर्थिक पिछड़ापन आरक्षण का आधार नहीं हो सकता।
2. सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण का दावा करना एक मौलिक अधिकार है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- 103वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 द्वारा अनुच्छेद-15 और अनुच्छेद-16 में संशोधन के माध्यम से आर्थिक आधार पर आरक्षण की शुरुआत हुई। इसने संविधान में अनुच्छेद-15(6) और अनुच्छेद-16(6) को अन्तर्स्थापित किया, ताकि अनारक्षित वर्ग में आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को आरक्षण की अनुमति मिल सके। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- मुकेश कुमार बनाम उत्तराखंड राज्य वाद (2020) में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि संविधान में अनुमत आरक्षण के प्रावधानों का अधिकार के रूप में दावा नहीं किया जा सकता।
  - इस निर्णय में कहा गया कि अनुच्छेद-16(4) और 16(4A) के तहत प्रावधान, न तो आरक्षण के मौलिक अधिकार है और न ही इसे प्रदान करना राज्य का कर्तव्य है। इन अनुच्छेदों के तहत, आरक्षण तभी प्रदान किया जाएगा जब राज्य की राय में राज्य द्वारा प्रदत्त सेवाओं में एक विशेष वर्ग का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

96. 'एशिया आश्वासन पहल अधिनियम' के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. यह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र अमेरिका की भूमिका को बढ़ाने की बात करता है।
b. यह दक्षिण चीन सागर के मुद्दे पर आसियान देशों के साथ चीन के बहुपक्षीय जुड़ाव का आह्वान करता है।
c. यह एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक को वैधानिक आधार देने पर लक्षित है।
d. भारत द्वारा हिंद महासागर को 'शांति का क्षेत्र' घोषित किया गया है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ने एशिया रिएश्योरेंस इनिशिएटिव एक्ट (ARIA) अर्थात् एशिया आश्वासन पहल अधिनियम लागू किया है, जो इंडो-पैसिफिक में अमेरिकी प्राथमिकताओं पर पुन: ध्यान केंद्रित करने और क्षेत्र में हथियारों की बिक्री सहित अमेरिकी सहयोगियों के लिये मजबूत समर्थन को वापस लाने की बात कहता है।
- यह अधिनियम भारत-प्रशांत क्षेत्र के लिये संयुक्त राज्य अमेरिका की एक दीर्घकालिक रणनीति एक व्यापक, बहुपक्षीय और नीति का निर्धारित करता है।
- यह अधिनियम क्षेत्र में अमेरिका के रणनीतिक क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिये पांच वर्ष की अवधि में 1.5 बिलियन डॉलर की राशि का प्रावधान करता है।
- यह अधिनियम अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली में चीन के प्रभुत्व (दक्षिण दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम सुविधाओं का निर्माण, सैन्यीकरण और बाध्यकारी आर्थिक व्यवहारों) का प्रतिकार करने का आह्वान करता है।

अत: विकल्प (a) सही है।

97. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. रामसर अभिसमय के अनुसार, भारत के राज्यक्षेत्र में सभी आर्द्र भूमियों को बचाना और संरक्षित रखना भारत सरकार के लिये अधिदेशात्मक है।
2. आर्द्र भूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2010, भारत सरकार ने रामसर अभिसमय की संस्तुतियों के आधार पर बनाए थे।
3. आर्द्र भूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2010, आर्द्र भूमियों के अपवाह क्षेत्र या जलग्रहण क्षेत्रों को भी सम्मिलित करते हैं, जैसा कि प्राधिकार द्वारा निर्धारित किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- रामसर अभिसमय के तहत, अनुबंधित दलों के लिये अपने क्षेत्र की सभी आर्द्र भूमियों की सुरक्षा और संरक्षण की अनिवार्यता नहीं है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- आर्द्र भूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2010 के खंड 3 में प्रावधान है कि रामसर अभिसमय के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की रामसर आर्द्र भूमियों के रूप में वर्गीकृत आर्द्र भूमियों को इन नियमों के तहत विनियमित किया जाएगा। **अतः कथन 2 सही है।**
- आर्द्र भूमि (संरक्षण और प्रबंधन नियम), 2010 के तहत, 'आर्द्र भूमि' से आशय ऐसी दलदली भूमि, जल भराव वाला क्षेत्र, प्राकृतिक या कृत्रिम, स्थायी या अस्थायी क्षेत्र से है, जिसमें पानी स्थिर या बहने की स्थिति में होता है, ताज़ा या लवणीय, जिसमें समुद्री जल क्षेत्र शामिल हैं, जिसकी गहराई कम ज्वार में छह मीटर से अधिक नहीं होती है और इसमें सभी अंतर्देशीय जल स्रोत जैसे झीलें, जलाशय, टैंक, बांध, लैगून, खाड़ी, ज्वारनदमुख और मानव निर्मित आर्द्रभूमि शामिल हैं और आर्द्र भूमि को प्रभावित करने वाले जल ग्रहण या अपवाह क्षेत्र हैं जो प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किये जाए। **अत: कथन 3 सही है।**

98. मरुस्थलीकरण को रोकने के लिये संयुक्त राष्ट्र अभिसमय का/के क्या महत्त्व है/हैं?

1. इसका उद्देश्य नवप्रवर्तनकारी राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं समर्थक अंतर्राष्ट्रीय भागीदारियों के माध्यम से प्रभावकारी कार्रवाई को प्रोत्साहित करना है।
2. यह विशेष रूप से दक्षिणी एशिया एवं उत्तरी अफ्रीका के क्षेत्रों पर केंद्रित होता है तथा इसका सचिवालय इन क्षेत्रों को बड़े हिस्से का नियतन सुलभ कराता है।
3. यह मरुस्थलीकरण को रोकने में स्थानीय लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने हेतु ऊर्ध्वगामी उपागम (बाॅटम-अप अप्रोच) के लिये प्रतिबद्ध है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उतर: (c)

व्याख्या:

वर्ष 1994 में स्थापित संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जो पर्यावरण और विकास को सतत् भूमि प्रबंधन से जोड़ता है।

वर्ष 1994 में स्थापित मरुस्थलीकरण को रोकने के लिये संयुक्त राष्ट्र अभिसमय, एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जो पर्यावरण और विकास को स्थायी भूमि प्रबंधन से जोड़ता है।

- यह विशेष रूप से शुष्क, अर्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों से संबंधित है, जहाँ कुछ सर्वाधिक सुभेद्य पारिस्थितिक तंत्र और लोग पाए जाते हैं।
- यह अभिसमय रेगिस्तान से निपटने में सामुदायिक समर्थन और विकेंद्रीकृत दृष्टिकोण पर केंद्रित है।
- इसका उद्देश्य मरुस्थलीकरण का सामना करने वाले देशों विशेषकर अफ्रीका में मरुस्थलीकरण से निपटना और गंभीर सूखे के प्रभावों का शमन करना है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- यह एजेंडा 21 के अनुरूप एक एकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और भागीदारी व्यवस्था द्वारा समर्थित सभी स्तरों पर प्रभावी कार्रवाई का समर्थन करता है ताकि प्रभावित क्षेत्रों में सतत् विकास को सुनिश्चित किया जा सके। **अत: कथन 1 सही है।**
- इस अभिसमय के भागीदारों को यह सुनिश्चित करना चाहिये कि मरुस्थलीकरण से निपटने के लिये अथवा सूखे के प्रभावों को कम करने के लिये कार्यक्रमों की योजना और कार्यान्वयन से संबंधित निर्णय वहाँ की आबादी और स्थानीय समुदायों की भागीदारी से लिया जाए एवं राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर कार्रवाई को सुविधाजनक बनाने के लिये उच्च स्तर पर एक सक्षमकारी वातावरण बनाने के प्रयास करने चाहिये। **अतः कथन 3 सही है।**

99. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

UN-REDD+ कार्यक्रम की समुचित अभिकल्पना और प्रभावी क्रियान्वयन महत्त्वपूर्ण रूप से योगदान दे सकते हैं-

1.जैव विविधता का संरक्षण करने में
2. वन्य पारिस्थितिकी की समुत्थानशीलता में
3.गरीबी कम करने में

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- वर्ष 2010 में, कॉप-16 के कानकुन समझौतों के अनुसार REDD, REDD+ में परिवर्तित हो गया, जो वनों की कटाई, वन क्षरण के कारण उत्सर्जन में कमी लाने, संरक्षण प्रोत्साहन, वनों के सतत् प्रबंधन तथा वन कार्बन स्टॉक में वृद्धि करने के प्रयासों के लिये प्रतिबद्ध है।
- REDD+ निम्नलिखित में योगदान करता है:
  - जलवायु परिवर्तन शमन और गरीबी उन्मूलन। **अतः कथन 3 सही है।**

- जैव विविधता का संरक्षण और महत्त्वपूर्ण पारितंत्र सेवाओं को बनाए रखना। **अतः कथन 1 सही है**।
- वन पारिस्थितिक तंत्र में लचीलापन। **अतः कथन 2 सही है**।
- **आजीविका संवर्द्धन**।
- **खाद्य सुरक्षा**।

100. कभी- कभी समाचारों में दिखने वाले ‘एजेंडा 21’ के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह धारणीय विकास के लिये एक वैश्विक कार्य योजना है।
2. वर्ष 2002 में जोहांसबर्ग में हुए संधारणीय विकास पर विश्व शिखर सम्मेलन में इसे प्रस्तुत किया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- वर्ष 1992 में रियो डी जनेरियो में आयोजित पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCED) में 178 से भी ज़्यादा सरकारों द्वारा वनों के सतत् प्रबंधन के लिये सिद्धांतों के विवरण तथा पर्यावरण और विकास पर रियो घोषणा पत्र 'एजेंडा 21' को अपनाया गया था। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- एजेंडा-21 गरीबी, भुखमरी, संसाधनों के अनुचित दोहन और पारितंत्र अवनमन जैसी समस्याओं के समाधान के लिये एक प्रारूप प्रदान करता है, जिसमें धारणीय विकास के लिये एक कार्य योजना का ब्यौरा और कार्रवाइयों के लिये लक्ष्यों का उल्लेख है ताकि आर्थिक विकास एवं पर्यावरण संरक्षण को संयोजित किया जा सके। **अत: कथन 1 सही है।**